केवल आप के लिये
गांव-गांव शहर-शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क- bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 308 शनिवार 1 जून 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या-फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

अंतिम चरण में पीएम मोदी समेत 144 प्रत्याशियों के लिए मतदान शनिवार को

लखनऊ (आभा)। लोकसभा चुनाव अपने अंतिम और सातवें चरण में यूपी की 13 लोकसभा सीटों पर शनिवार को मतदान होगा। इस चरण में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अपना दल प्रमुख अनुप्रिया पटेल समेत 144 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत का फैसला होगा। पोलिंग पार्टियां अपने बूथों पर रवाना होने चुकी हैं। 13 लोकसभी सीटों साथ सोनभद्र की दुद्धी विधानसभा सीट पर उपचुनाव भी होगा। इस चरण में महाराजगंज, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, बांसगांव (सुरक्षित), घोसी, सलेमपुर, बलिया, गाजीपुर, चंदौली, वाराणसी, मिर्जापुर और राबर्ट्सगंज (सुरक्षित) शामिल हैं। यह सीटें 11 जिलों में स्थित हैं।

मोदी खुद वाराणसी से तीसरी बार चुनाव लड़ रहे हैं और गंगा किनारे बसे इस प्राचीन आध्यात्मिक क्षेत्र से लगातार तीसरी बार जीत हासिल करने के लिए चुनाव मैदान में हैं। वाराणसी लोकसभा सीट पर प्रधानमंत्री मोदी को विपक्षी गठबंधन इंडिया के उम्मीदवार और कांग्रेस की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष अजय राय चुनौती दे रहे हैं। राय दो बार पहले भी प्रधानमंत्री मोदी को इस सीट पर चुनौती दे चुके हैं।

वहीं, गोरखपुर संसदीय सीट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सीधे प्रतिष्ठा से जुड़ा है, जहां से योगी लगातार पांच बार सांसद रह चुके हैं। अब तक दो उप चुनावों (1970 और 2018) समेत कुल 19 बार हुए चुनावों में गोरखपुर सीट पर योगी के अलावा चार बार उनके गुरु महंत अवैद्यनाथ और एक बार गुरु महंत दिग्विजय नाथ सांसद रह चुके हैं। योगी गोरखपुर शहर के विधायक और प्रसिद्ध गोरक्षपीठ के पीठाधीश्वर भी हैं।

सातवें चरण के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के दो घटक दलों अपना दल (एस) और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के तीन उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं।

बस्ती में प्रचण्ड गर्मी ने तोड़े पुराने रेकार्ड, डीएम ने दिये निर्देश

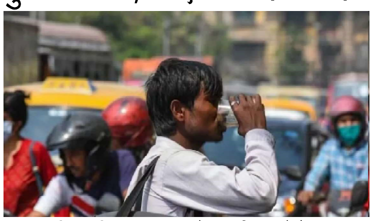

-भारतीय बस्ती संवाददाता-
बस्ती। जिले में गर्मी सारे रिकॉर्ड ध्वस्त करती नजर आ रही है। शुक्रवार को जहां अधिकतम तापमान का पारा 44 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, वहीं गुरुवार को भी अधिकतम तापमान 44 डिग्री सेल्सियस पर टिका रहा। मौसम विभाग के वैज्ञानिकों के अनुसार अभी आसमान से आग बरसनी जारी रहेगी।

इस सप्ताह गर्मी ने पुराने कई रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। गौर करने वाली बात यह है कि न्यूनतम और अधिकतम तापमान में सामान्य दिनों की तुलना में तीन से पांच डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है। 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास टिका अधिकतम पारा बीते पांच दिनों में बढ़कर 44 डिग्री तक पहुंच गया है। सूर्य देवता की तपिश संग झुलसाती गर्मी ने लोगों की आम दिनचर्या को प्रभावित कर दिया है। गर्मी के आगे बेबस लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। सुबह सात बजे से ही मौसम गर्म होना शुरू हो जा रहा है। गुरुवार को भी तीखी धूप व गर्म हवाओं के कारण लोग पूरे दिन परेशान रहे। चिकित्सक लोगों को सिर और हाथ-पैर ढंककर घर से बाहर कर निकलने की सलाह दे रहे हैं। इसके अलावा पानी की बोतल भी साथ लेकर चलें। कृषि मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में औसत तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। जिससे तेज गर्मी (लू) से राहत के आसार नहीं हैं।

वर्तमान समय में पारा 43 डिग्री सेल्सियस के दृष्टिगत आमजन को हीट-वेव (लू) से बचाव हेतु जिला प्रशासन द्वारा समुचित प्रबन्ध किये गये हैं। इस संबंध में जिलाधिकारी अंद्रा वामसी ने हीट वेव/लू से बचाव के लिए संबंधित जनपदीय अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि अपने विभागीय स्तर से बचाव व राहत कार्य तत्काल सुनिश्चित करें।

भीषण गर्मी से वाराणसी में महाश्मशान पर टूटे रिकॉर्ड, आंकड़ा 400 पार

वाराणसी (आभा)। वाराणसी में भीषण गर्मी ने जहां 140 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया है वहीं मौतों का सिलसिला भी तेजी से बढ़ रहा है। स्थिति यह हो गई है कि यहां के पोस्टमार्टम हाउस पर शव रखने की जगह नहीं है। शवों को पोस्टमार्टम हाउस के बाहर ही जहां-तहां रखना पड़ रहा है। शिवपुर स्थित पोस्टमार्टम हाउस के बाहर ही चार शव शुक्रवार की सुबह रखे दिखाई दिए। इनके परिजन भी हैरान परेशान रहे। महाश्मशान मणिकर्णिका पर भी शव दाह के पिछले सभी रिकॉर्ड टूट गए हैं। आम तौर पर एक दिन में सौ या सवा सौ शव ही आते थे अब यहां 400 से ज्यादा शव आ रहे हैं। शवों की संख्या अचानक बढ़ने से जगह की भी कमी हो गई है। शवदाह के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है।

गुरुवार को ही अकेले वाराणसी और आसपास के नौ जिलों में सौ से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी। यह आंकड़ा वह है जो अस्पतालों तक पहुंचा था। कहा जा रहा है कि इससे बहुत ज्यादा भी मौते हुई हैं। वाराणसी के मणिकर्णिका घाट पर आसपास के जिलों से भी लोग शव दाह के लिए आते हैं। ऐसे में यहां शवों की कतार लग रही है। जगह की कमी के साथ ही लकड़ी की कीमत भी बढ़ गई है।

अंतिम संस्कार कराने वाले डोम राजा ओम चौधरी के अनुसार अचानक गर्मी के चलते शवो की संख्या बढ़ी है। जहां एक हफ्ते पहले सौ के आसपास शव आते थे, अब 400 से ज्यादा आ रहे हैं। शव के साथ आने वालों के कारण पतली गलियों और घाट पर व्यवस्थाएं ध्वस्त हो गई हैं। लोगों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। मणिकर्णिका घाट की ओर जाने वाली गली के दुकानदार भी लगातार शवों को देखकर हैरान हैं।

प्रधानमंत्री की मौन साधना पर गरमाई राजनीति

नई दिल्ली (आभा)।प्रधानमंत्री तमिलनाडु के कन्याकुमारी में 45 घंटे की मौन साधना कर रहे हैं। आज उनके ध्यान का दूसरा दिन है। पीएम ने शुक्रवार सुबह सूर्य को अर्घ्य देकर अपनी साधना की शुरुआत की। प्रशासन की ओर से भी उनकी सुरक्षा के पूरे इंतजाम किए गए हैं। इसके बाद वह विवेकानंद रॉक मेमोरियल के पास तमिल संत तिरुवल्लुवर की प्रतिमा को माल्यार्पण किया बता दें कि प्रधानमंत्री की यह साधना 1 जून की शाम तक चलेगी। वहीं विपक्ष ने इसे चुनावी हथकंडा बताया है और चुनाव आयोग से इसकी मीडिया कवरेज पर रोक लगाने की मांग भी की थी।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री के कन्याकुमारी में साधना करने जाने को लेकर तंज कसते हुए कहा कि अगर आपमें आस्था है तो आप अपने घर पर कीजिए। राजनीति और धर्म को एक साथ नहीं लाना चाहिए यह हमेशा अलग - अलग रखने चाहिए। शुक्रवार को एएनआई से बात करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि एक धर्म का आदमी आपके साथ हो सकता है दूसरे धर्म का नहीं यह गलत बात है। चुनावों के साथ धार्मिक भावनाएं नहीं जोड़नी चाहिए। प्रधानमंत्री कन्याकुमारी में अपने धार्मिक क्रियाकलाप करने गए हैं वहां पर कितने पुलिसवालों की ड्यूटी लगी होगी कितना पैसा खर्च हो रहा होगा? इस तरह का दिखावा करना देश के लिए हानिकारक ही होगा।

जाने माने अभिनेता और आसनसोल से टीएमसी के उम्मीदवार शत्रुघ्न सिन्हा ने भी प्रधानमंत्री मोदी की मौन साधना पर सवाल उठाया है। उन्होंने कहा है कि मैं उन्हें अच्छी तरह जानता हूं। वो किसी साधना के लिए नहीं बल्कि मीडिया की अटेंशन पाने के लिए वहां गए हैं। इससे पहले भी वे केदारनाथ इसी वजह से गए थे। सिन्हा ने कहा कि ये चुनाव प्रचार करने का एक नया तरीका भर है। मोदी जी ने सारे हथकंडे अपना लिए अब उनके पास आखिरी रास्ता यही बचा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावी प्रचार को खत्म करने के बाद तमिलनाडु के कन्याकुमारी में ध्यान करने के लिए गए हुए हैं, वह ध्यान मंडपम में साधना कर रहे हैं यह वही जगह है जहां पर कभी स्वामी विवेकानंद ने पूरा भारत घूमने के बाद साधना की थी। ऐसा माना जाता है कि उन्हें यहां पर ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। इसके बाद उन्होंने दुनियाभर में घूम-घूमकर भारत, भारत माता और भारतीय दर्शन का प्रचार किया।

चुनावों के बाद पीएम मोदी की यह आध्यात्मिक यात्रा पहली बार नहीं है। 2014 के लोकसभा चुनाव के बाद पीएम शिवाजी के प्रतापगढ़ और 2019 के बाद उत्तराखंड में स्थित केदारनाथ की गुफा में साधना करने के लिए पहुंचे थे, पीएम के कहीं जाने से उस क्षेत्र के पर्यटन को जबरदस्त रफ्तार मिलती है और पर्यटकों की संख्या में जबरदस्त इजाफा होता है।

बस्ती के दो समेत 511 गांवों की होगी चकबंदी

लखनऊ (आभा)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार प्रदेशभर के 511 गांवों में चकबंदी कराने जा रही है। इन गांवों में उत्तर प्रदेश जोत चकबंदी अधिनियम 1953 के तहत प्रथम व द्वितीय चक्र की चकबंदी कराई जाएगी। इस संबंध में चकबंदी आयुक्त जीएस नवीन कुमार ने आदेश जारी कर दिया है।

सुल्तानपुर में 26, फतेहपुर 23, बदायूं तीन, आगरा 17, प्रतापगढ़ 21, बस्ती 10, मुरादाबाद 19, सोनभद्र 38, गोरखपुर 22, शाहजहांपुर 10, अमरोहा नौ, कानपुर देहात सात, कुशीनगर 11, जौनपुर दो, लखीमपुर खीरी 53, अंबेडकरनगर छह, संतकबीरनगर तीन, बाराबंकी आठ, रामपुर 11, सिद्धार्थनगर 16, आजमगढ़ दो, चंदौली 47, सहारनपुर पांच, मुफ्फरनगर दो, बस्ती दो व लखनऊ दो गांवों की चकबंदी कराई जाएगी। बरेली, वाराणसी, जौनपुर, वाराणसी, गोंडा, प्रयागराज के गांवों में भी चकबंदी कराई जाएगी।

समाजवादियों ने जयंती पर महारानी अहिल्याबाई होल्कर को किया नमन्: योगदान पर विमर्श

-भारतीय बस्ती संवाददाता-
बस्ती। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर महारानी अहिल्याबाई होल्कर को उनके 298 वीं जयंती पर याद किया गया। जिला उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर एक बहादुर, निडर और महान योद्धा थीं। उन्होंने अपने शासन के दौरान प्रजा के हित के लिए अनेक कार्य किये। कहा कि उनको हमेशा से एक बहादुर, आत्मनिष्ठ, निडर महिला के रूप में याद किया जाता है। वे अपने समय की सर्वश्रेष्ठ योद्धा रानियों में से एक थीं, जो अपनी प्रजा की रक्षा के लिए हमेशा तैयार रहती थीं। इतना ही नहीं उनके शासन काल में मराठा मालवा साम्राज्य ने काफी ज्यादा नाम कमाया था। जनहित के लिए काम करने वाली महारानी ने कई हिंदू मंदिर का निर्माण भी करवाया था, जो आज भी पूजे जाते हैं।

सपा नेता अरविन्द सोनकर ने कहा कि अहिल्याबाई एक दार्शनिक और कुशल राजनीतिज्ञ थीं इसी वजह से उनकी नजरों से राजनीति से जुड़ी कोई भी बात छुप नहीं सकती थी। महारानी की इन्हीं खूबियों के चलते ब्रिटिश इतिहासकार जॉन कीस ने उन्हें 'द फिलॉसोफर क्वीन' की उपाधि से नवाजा था। जानकारी के मुताबिक महारानी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के चौंडी गांव में हुआ था, जिसे वर्तमान में अहमदनगर के नाम से जाना जाता है। सपा नेता

कार्यक्रम में राम सिंह यादव, जर्सी यादव ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर ने एक छोटे से गांव इंदौर को एक समृद्ध एवं विकसित शहर बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने यहां पर सड़कों की दशा सुधारने, गरीबों और भूखों के लिए खाने की व्यवस्था करने के साथ-साथ शिक्षा पर भी काफी जोर दिया। अहिल्याबाई की बदौलत ही आज इंदौर की पहचान भारत के समृद्ध एवं विकसित शहरों में होती है। जयंती पर अहिल्याबाई होल्कर को नमन् करने वालों में मुख्य रूप से सपा नेता बब्लू खान, हारीश गौतम,सुशील यादव,दिनेश तिवारी,बलवंत यादव,अशोक यादव,अरविंद सोनकर, दिनेश तिवारी, राम बृक्ष यादव, विवेक यादव,अमित गौड़,फूलचंद भारती, अरुण मिश्रा के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

मक्के की आड़ में नेपाली टूथपेस्ट की तस्करी: डीसीएम चालक हिरासत में

-भारतीय बस्ती संवाददाता-
बस्ती। सोनहा थानाक्षेत्र के असनहरा पुलिस चौकी पर पकड़ी गई डीसीएम में मक्के के आड़ में नेपाली टूथपेस्ट तस्करी का मामला सामने आया है। वाणिज्य कर के असिस्टेंट कमिश्नर विकास गुप्ता व सीमा शुक्ल आयुक्त कार्यालय लखनऊ की सयुंक्त टीम ने डीसीएम पर लगे त्रिपाल को हटवाया। अंदर मक्के का बोरा मिला और उसके नीचे गत्ते में नेपाली टूथपेस्ट बरामद हुई। जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय कीमत बाजार में करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। लखनऊ से आई कस्टम की टीम ने डीसीएम के साथ ही चालक को अपने कब्जे में ले लिया और लखनऊ रवाना हो गई। सीमा शुल्क लखनऊ हेडक्वार्टर की टीम के अधीक्षक आरजी राम ने बताया कि डीसीएम में किसान ट्रेडर्स के नाम से मक्का की रसीद है। जिसे सिद्धार्थनगर से दिल्ली भेजा जा रहा था। लेकिन उसके नीचे काफी मात्रा में गत्ते रखे मिले, जिसके अंदर नेपाली टूथपेस्ट बरामद हुआ।

बताया कि लखनऊ की टीम को इस बात का इनपुट मिला था कि एक डीसीएम में नेपाल से तस्करी का माल दिल्ली भेजा जा रहा है।

इसके बाद से हमारी टीम लगातार हाईवे व अन्य स्थानों पर तलाशी में जुटी रही। लेकिन वाहन रास्ते में नहीं मिला। इसके बाद टीम गुरुवार को सिद्धार्थनगर जा रही थी। रास्ते में बस्ती जिले की सोनहा पुलिस से संपर्क किया गया तो पता चला कि बुधवार को ही इस डीसीएम को पुलिस ने संदेह के आधार पर कस्टडी में ले लिया था और इसकी जानकारी वाणिज्य कर विभाग को दे दी थी।

वाणिज्य विभाग की जीएसटी टीम असनहा चौकी पर पहुंची थी और जांच-पड़ताल के बाद गाड़ी को पुलिस हिरासत में देकर बस्ती रवाना हो गई थी। पूछताछ में पता चला था कि अंदर साबुन, शैम्पू और टूथपेस्ट लदा है। गुरुवार को अग्रिम कार्रवाई के लिए टीम पहुंचने वाली थी। इसी बीच लखनऊ से कस्टम की टीम भी इसी डीसीएम को तलाशते हुए सोनहा पहुंच गई और नेपाल से तस्करी कर टूथपेस्ट दिल्ली ले जाने की बात सामने आई। जीएसटी टीम ने वाहन व उसमें रखे माल को सीमा शुल्क लखनऊ की टीम को हैंडओवर कर दिया। टीम गाड़ी व माल को कब्जे में लेकर लखनऊ हेडक्वार्टर के लिए रवाना हो गई।

सीमा शुल्क लखनऊ हेडक्वार्टर की टीम के अधीक्षक आरजी राम ने बताया कि लखनऊ पहुंचने के बाद इस बात की भी जांच की जाएगी कि डीसीएम में लदा मक्का भारत का है या नेपाल का। उसे चेक कराकर आगे की कारवाई की जाएगी। कार्रवाई सीमा शुल्क के इंस्पेक्टर डीएस यादव, अंकित मल्ल, सिपाही राकेश सुधीर व चौकी इंचार्ज असनहरा जयशंकर पांडेय मौजूद रहे। बता दें कि सोनहा थाने की असनहरा चौकी की पुलिस की टीम ने बुधवार की सुबह करीब नौ बजकर 30 मिनट पर थानाक्षेत्र के दुबौली चौराहे पर संदिग्ध अवस्था में खड़ी डीसीएम को कब्जे में लिया था। डीसीएम के साथ हिरासत में लिए गए चालक की पहचान इंद्रजीत निवासी पूरब शरीरा थाना पश्चिम शरीरा जनपद कौशाम्बी के रूप में हुई। अफसरों की पूछताछ में उसने बताया कि उसे सिर्फ मक्का लोड करने के लिए बुलाया गया था। सोनहा थानाक्षेत्र के दुबौली चौराहे के एक गोदाम के पास एक ट्रक आया और उसमें रखा गत्ता उतारकर डीसीएम में रखवा दिया गया। इसके अलावा नेपाल से सामान आने के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

दबंगों ने घर में घुसकर मारा पीटा: पीड़िता ने पुलिस उच्चाधिकारियों से लगाया न्याय की गुहार

-भारतीय बस्ती संवाददाता-
बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र की अजगरा निवासिनी पूनम देवी तिवारी पत्नी अमरनाथ तिवारी ने पुलिस उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर दबंगों द्वारा घर में घुसकर मारने-पीटने और बेटे को जान से मार देने की धमकी मामले में दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई के साथ अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

भेजे पत्र में पूनम देवी तिवारी ने कहा है कि पुरानी रंजिश को लेकर गत 28 मई को फूलचन्द तिवारी पुत्र राम दुलारे, फूलचंद की लड़की कंचन पत्नी संदीप तिवारी ग्राम साऊंघाट थाना पुरानी बस्ती विजय तिवारी पुत्र मुचकुंद तिवारी आदि स्विफ्ट डिजायर गाडी नम्बर यू.पी. 51 ए.पी. 0433 व मोटर साईकिलों पर सवार होकर रात्रि लगभग 7.30 बजे उसके घर अजगरा पहुंचे और अचानक भद्दी-भद्दी गालियां देते हुये उसे, उनकी लड़की अनामिका तिवारी, चंदा तिवारी पुत्र प्रिंस को मारा पीटा। इस दौरान संदीप तिवारी ने पूनम देवी तिवारी के कान की बाली, गले का मंगलसूत्र, छीन लिया। उक्त लोग मारपीट की आवाज सुनकर जब गांव के लोग इकट्ठा हो गये तो गाडी से धमकी देते हुये भाग गये कि तुम्हारे बेटे को जान से मार देंगे। मामले की सूचना हेल्प लाइन नम्बर 1090 पर फोन किया और पुलिस के हेल्प लाइन नम्बर 112 और मुख्यमंत्री हेल्प लाइन नम्बर 1076 पर सूचना दी गई। कुछ देर बाद पुलिस की गाडिया गांव में पहुंची और उक्त लोगों की तलाश किया किन्तु वे मौके से भाग चुके थे। पत्र में पूनम देवी तिवारी ने कहा है कि वह अपने बड़े बेटे आशुतोष उर्फ अनुज को लेकर दुबौलिया थाने पर गई। रात काफी हो जाने पर कुछ लोगों ने बताया कि कल आना। दूसरे दिन थाने पर लिखित तहरीर देने के बावजूद पुलिस ने कोई मुकदमा पंजीकृत नहीं किया। उल्टे सुलह के लिये दबाव बनाया जाता रहा। पूनम ने पत्र में कहा है कि पुलिस ने चोटों का मुआयना भी नहीं कराया। उसके पास घटना की वीडियो भी है। मांग किया है कि दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही उसके परिवार के जान माल की रक्षा सुनिश्चित कराया जाय।

एक नजर

घटतौली का शिकार हो रहे उपभोक्ता

-भारतीय बस्ती संवाददाता-
बस्ती। ग्रामीण क्षेत्रों में घटतौली के मामले बढते ही जा रहे हैं। इक्कसवी सदी में भी ईट, पत्थर के बटखरों से तौल खुले आम जारी है। माप बांट विभाग के लापरवाही के चलते मुंडेरवा,बरडाड़,देईसांड़, बनकटी,महादेवा ,कुरियार, पाकरडाड़, महसों, हल्लौर, पकरीचंदा, पक्का बाजार, बरहुंआ, गेल्हापार, मुरादपुर, खोरिया ,रौतापार, आदि चौराहों पर लगे बाजारों में दो चार को छोड़कर बगैर नंबरिंग के देसी कांटों से ताल हो रही है ।

इससे उपभोक्ता घटतौली के शिकार हो रहे हैं। देईसांड़ निवासी बाबूराम चौधरी, राम किशुन चौधरी, ने बताया की दुकानदार बाजारों में प्याज, टमाटर, आलू, हरी सब्जी फल सहित दुकान लगाते हैं एक दो को छोड़कर किसी के पास इलेक्ट्रानिक कांटा नहीं रहता है। क्षेत्रीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से मांग किया है कि उक्त लोगों की जांच कर विभागीय कार्रवाई की जानी चाहिए।

वृद्ध की मौत

-भारतीय बस्ती संवाददाता-
बस्ती। नगर बाजार थानाक्षेत्र के फुलवरिया निषाद निवासी उदयराज (65) की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। वे तकरीबन आठ बजे घर से साइकिल से निकले थे। चंदोताल के बाहर साइकिल मिली। घरवाले ताल में घुसकर उनकी तलाश किए लेकिन वह नहीं मिले। रात होने की वजह से गुरुवार की सुबह दुबारा उनकी तलाश करने में लगे रहे। दोपहर में उनकी लाश मिली।

किसान पाठशाला 6 जून से

-भारतीय बस्ती संवाददाता-
बस्ती । खरीफ 2024 में मण्डल के समस्त जनपद में ग्राम पंचायत स्तर पर गोष्ठी/किसान पाठशाला का आयोजन प्रत्येक ग्राम पंचायत में आगामी 6 जून से 24 जून 2024 तक शाम को 4 से 7 बजे तक निर्धारित है। उक्त जानकारी देते हुए संयुक्त कृषि निदेशक अविनाश चन्द्र तिवारी ने बताया कि दलहन विकास, तिलहन विकास, मिलेट्स पुनरूद्धार त्वरित मक्का विकास योजना एवं आर0के0वी0वाई0 योजना अन्तर्गत जनपद बस्ती में 677, संत कबीर नगर में 433 एवं सिद्धार्थनगर में 654 किसान पाठशालों का आयोजन कराया जाना है। प्रत्येक किसान पाठशाला में 80 से 100 कृषकों की सहभागिता के साथ मा0 जनप्रतिनिधियों, एफ0पी0ओ0 के सदस्यों की प्रतिभागिता करायी जानी है।

सफर के दौरान तबीयत बिगड़ी, मौत

-भारतीय बस्ती संवाददाता-
बस्ती। भीषण गर्मी के बीच बस में सफर के दौरान अचानक तबीयत बिगड़ने से युवक की मौत की घटना सामने आई है।

जिले के लालगंज थानाक्षेत्र के बगही निवासी राजन गौड़ (38) पुत्र संतराम गौड़ गोरखपुर से कुदरहा जाने के लिए प्राइवेट बस से सफर कर रहे थे। मुंडेरवा के पास अचानक उनकी तबीयत बिगड़ गई। परिजनों को सूचना देने के बाद मेडिकल कॉलेज बस्ती ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। घर के लोग अत्याधिक गर्मी के कारण उसकी तबीयत बिगड़ने की आशंका लोग जता रहे हैं।

लालगंज थानाक्षेत्र के बगही निवासी राजन गौड़ लगभग एक महीने पहले नौकरी-धंधे के चक्कर में गोरखपुर गए थे। बुधवार को तबीयत ठीक नहीं लगने पर वह गोरखपुर से कुदरहा (बस्ती) चलने वाली प्राइवेट बस से घर आ रहे थे। मुंडेरवा के पास राजन की तबीयत ज्यादा बिगड़ गई। बस के स्टॉफ ने राजन के घर पर फोन करके इसकी सूचना दी। आनन-फानन में परिजन अपने निजी वाहन से पहुंचे और राजन को मेडिकल कॉलेज बस्ती ले गए। यहां चेकअप के बाद चिकित्सक ने राजन को मृत घोषित कर दिया। राजन चार भाइयों में तीसरे नंबर पर था।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 1 जून 2024 शनिवार

सम्पादकीय

चुनाव परिणामों का इंतजार

2024 के लोकसभा चुनाव अपने अंतिम चरण तक पहुंच गए हैं। आने वाले दिनों में सभी को चुनावी एग्जिट पोल और 4 जून का बेसब्री से इंतजार रहेगा। सभी यह देखना चाहेंगे कि विवादों में घिरी 'ई.वी.एम.' किसकी सरकार बनाएगी? हर राजनीतिक दल बड़े–बड़े दावे कर रहा है कि उसका दल या उसके समर्थन वाला समूह सरकार बनाने जा रहा है। ऐसे में यह भी देखना जरूरी है कि केंद्रीय चुनाव आयोग जिसकी कार्यशैली पर कई सवाल उठे, वह इस चुनाव को कितनी पारदर्शिता से संपूर्ण करेगा? देश का आम चुनाव हमेशा से ही एक पर्व की तरह मनाया जाता है। इसमें हर राजनीतिक दल अपने–अपने वोटरों के पास अगले 5 साल के लिए उनके मत की अपेक्षा में उन्हें बड़े–बड़े वायदे देकर लुभाने की कोशिश करते हैं। परंतु देश की जनता भी यह जान चुकी है कि दल चाहे कोई भी हो, राजनीतिक वायदे सभी दल ऐसे करते हैं कि मानो जनता उनके लिए पूजनीय है और ये नेता उनके लिए कुछ भी करने को तैयार हैं। परंतु क्या वास्तव में ऐसा होता है कि चुनावी वादे पूरे किए जाते हैं? क्यों नेताओं को केवल चुनावों के समय ही जनता की याद आती है? खैर, यह तो रही नेताओं की बात। आज जिस मुद्दे पर पाठकों का ध्यान आकर्षित किया जा रहा है वह है चुनावों में पारदर्शिता।

सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न बने। चुनावों का आयोजन करने वाली सर्वोच्च सांविधानिक संस्था केंद्रीय चुनाव आयोग इन चुनावों को कितनी पारदर्शिता से कराती है इसकी बात बीते कई महीनों से सभी कर रहे हैं। चुनाव आयोग की प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि हर दल को पूरा मौका दिया जाए और निर्णय देश की जनता के हाथों में छोड़ दिया जाए। बीते कुछ महीनों में चुनाव आयोग पर पहले ई.वी.एम. को लेकर और फिर वी.वी.पैट को लेकर काफी विवाद रहा। हर विपक्षी दल ने एक सुर में यह आवाज लगाई कि देश से ई.वी.एम. को हटा कर बैलेट पेपर पर ही चुनाव कराया जाए। परंतु देश की शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश देते हुए अधिक सावधानी बरतने को कहा और ई.वी.एम. को जारी रखा। इन विवादों के बाद चुनावों की मतगणना को लेकर फॉर्म 17सी पर एक नई बहस उठी जो देश की शीर्ष अदालत में जा पहुंची।

दरअसल, फॉर्म 17सी वह फॉर्म होता है जिसमें चुनाव संचालन नियम, 1961 के तहत देशभर के प्रत्येक मतदान केंद्र पर डाले गए वोटों का रिकार्ड होता है। फॉर्म 17सी में मतदान केंद्र के कोड नंबर और नाम, मतदाताओं की संख्या। उन मतदाताओं की संख्या जिन्होंने मतदान न करने का निर्णय लिया। उन मतदाताओं की संख्या जिन्हें मतदान करने की अनुमति नहीं मिली। दर्ज किए गए वोटों की संख्या। खारिज किए गए वोटों की संख्या। वोटों के खारिज करने के कारण। स्वीकार किए गए वोटों की संख्या। डाक मतपत्रों का डाटा भी शामिल होता है। इस जानकारी को मतदान अधिकारियों द्वारा भरा जाता है और प्रत्येक बूथ के पीठासीन अधिकारी द्वारा जांचा भी जाता है। मतगणना के दिन, गिनती से पहले, फॉर्म 17सी के दूसरे भाग में प्रत्येक बूथ से गिने गए कुल वोट व डाले गए कुल वोटों की समानता को जांचा जाता है। यह व्यवस्था किसी भी पार्टी द्वारा वोटों में हेरफेर से बचने के लिए बनाई गई है। यह डाटा मतगणना केंद्र के पर्यवेक्षक द्वारा दर्ज किया जाता है। प्रत्येक उम्मीदवार (या उनके प्रतिनिधि) को फॉर्म पर हस्ताक्षर करना होता है, जिसे रिटर्निंग अधिकारी द्वारा जांचा जाता है। इसके बाद ही मतों की गिनती शुरू होती है।

गौरतलब है कि मतदान डाटा का उपयोग चुनाव परिणाम को कानूनी रूप से चुनौती देने के लिए किया जा सकता है। एक ओर जहां चुनावों में ई.वी.एम. से छेड़छाड़ पर सवाल उठाया गया है वहीं फॉर्म 17सी से मतदान में हुई गड़बड़ी (यदि हुई हो तो) का पता चल सकता है। जिस तरह पहले और दूसरे चरण के मतदान के आंकड़ों को जारी करने में देरी व बदलाव को लेकर चुनाव आयोग पर प्रश्न उठा तो विपक्ष ने फॉर्म 17सी को लेकर विवाद खड़ा कर दिया। देश की शीर्ष अदालत में चुनाव आयोग ने अपना पक्ष रखा और विपक्षी पार्टियों ने अपना पक्ष रखा। परंतु सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में कोई निर्णय नहीं दिया। बीते सप्ताह देश के नामी वकील और सांविधानिक विशेषज्ञ कपिल सिब्बल ने एक प्रेस सम्मेलन बुलाकर सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से एक चौकलिस्ट जारी की। सिब्बल ने हर राजनीतिक दल और उनके मतदानभ्मतगणना एजेंटों के लिए आगामी 4 जून को आम चुनाव की गिनती से पहले जारी की गई इस चौकलिस्ट के माध्यम से यह समझाया है कि उन्हें कब क्या देखना है।

सिब्बल के अनुसार ''बहुत से लोग कह रहे हैं कि इन मशीनों के साथ संभवतः छेड़छाड़ की गई है। इसलिए, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि उनके साथ कोई छेड़छाड़ न हो, इससे ज्यादा कुछ नहीं। हम यह नहीं कह रहे कि उनके साथ छेड़छाड़ की गई है। किसी भी मशीन से छेड़छाड़ की जा सकती है। ऐसा नहीं है कि दुनिया में कोई ऐसी मशीन है जिसके साथ छेड़छाड़ नहीं की जा सकती। हमें इस पर भरोसा है, हम यह नहीं कह रहे हैं कि कोई भरोसा नहीं है।'' कपिल सिब्बल की इस चौकलिस्ट का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी चर्चा में है। जिस तरह केंद्रीय चुनाव आयोग ई.वी.एम. और वी.वी. पैट को लेकर पहले से ही विवादों में घिरा हुआ है उसे चुनावों में पारदर्शिता का न केवल दावा करना चाहिए बल्कि पारदर्शी दिखाई भी देनी चाहिए। इसलिए कपिल सिब्बल द्वारा जारी की गई चौकलिस्ट को सभी राजनीतिक दलों को गंभीरता से लेना चाहिए। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि नतीजे किस रूप में सामने आयेंगे।

नई लोकसभा से जगी उम्मीदें और लोकतंत्र

–ललित गर्ग–

अठारहवीं लोकसभा के गठन के लिये हो रहे चुनाव अब अन्तिम चरण में हैं। अब चुनाव परिणामों पर सबकी निगाहें लगी है, इसी के साथ नयी लोकसभा कैसी हो, किस तरह से राजनीतिक विसंगतियों से उसे बचाकर एक नये आदर्श लोकसभा का गठन हो, ताकि आजादी का अमृतकाल स्वर्णिम एवं सार्थक बन सके। वर्ष 2047 तक भारत की यात्रा परिवर्तन, संभावनाओं एवं अवसरों से भरी है। व्यापक लोकतांत्रिक सुधारों, समग्र विकास, आर्थिक संभावनाओं का लाभ उठाकर एक समृद्ध, शक्तिशाली एवं विकसित राष्ट्र का सपना साकार किया जा सकता है। इस लक्ष्य की पूर्ति के लिये प्रतिबद्धता, रणनीतिक योजनाओं, सही समन्वय एवं नयी लोकसभा के सदस्यों के आपसी संवाद की अपेक्षा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमृतकाल की पूर्णता तक पहुंचने से पहले देश को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया है।

वर्तमान में भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। लोकतंत्र एक जीवित तंत्र है, जिसमें सबको समान रूप से अपनी–अपनी मान्यताओं के अनुसार चलने की पूरी स्वतंत्रता होती है। लोकतंत्र की नींव जनता के मतों पर टिकी होती है। नागरिकों की आशा–आकांक्षाओं के अनुरूप प्रशासन देने वाला, संसदीय प्रणाली पर आधारित इसका मजबूत संविधान है। लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों के टूटने–बिखरते की स्थितियों और राजनीतिक प्रक्रिया के कारण आम लोगों में अरुचि और अलगाव बहुत साफ दिखाई देता है, इसके कुछ और भी अनेक कारणों में मुख्य है– समानता लोकतंत्र का हृदय है, लेकिन असमानता ही चहूं ओर दिखाई दे रही है। वोटों के गलियारे में सत्ता के सिंहासन तक पहुंचने की होड और येन–केन–प्रकारेण वोट बटोरने के मनोभाव ने इस उन्नत शासन प्रणाली को कमजोर किया है, जिसकी झलक इन चुनावों में हमने बढ़–चढ़ कर देखी है।

नई संसद को लेकर विमर्श प्रारंभ हो गया है और होना भी चाहिए। यह भी याद रखना जरूरी है कि आज भारत का हर नागरिक विश्व में अपने देश के सम्मान को लेकर गौरवान्वित है। देश के भविष्य को लेकर वह काफी आशावान है। दुनिया की तीसरी आर्थिक व्यवस्था बनने को लेकर उत्साहित है। इनकी आशाओं पर खरा उतरने की चुनौती आम चुनावों में सफल होकर प्रधानमंत्री और सांसद बनने वालों के सामने है। इसमें दो राय नहीं कि सकारात्मक नेतृत्व ही व्यक्ति और राष्ट्र को नई प्रेरणा देता है। ऐसे में नवनिर्वाचित सांसदों को सक्रिय संवाद की परम्परा को पुनर्जीवित करने का प्रयास दलगत राजनीति से ऊपर उठकर करने की अपेक्षा है। इसी से निर्वाचित प्रतिनिधियों की साख एवं स्वीकार्यता बढ़ेगी एवं इसीसे भारत के लोकतंत्र को अपेक्षित गरिमा एवं जीवंतता मिल सकेगी। नयी गठित होने वाली लोकसभा के सामने यह बड़ी चुनौती है।

यह चुनौती बड़ी इसलिये है कि राजनीति का यह युग बीत चुका जब राजनीतिज्ञ आदर्शों पर चलते थे। आज हम राजनीतिक दलों की विभीषिका और उसकी अतियों से ग्रस्त होकर राष्ट्र के मूल्यों को भूल गए हैं। भारतीय राजनीति उथल–पुथल के दौर से गुजर रही है। चारों ओर भ्रम और मायाजाल का वातावरण है। भ्रष्टाचार और घोटालों के शोर और किस्म–किस्म के आरोपों के बीच देश ने अपनी नैतिक एवं चारित्रिक गरिमा को खोया है। मुद्दों की जगह अभद्र टिप्पणियों ने ली है। व्यक्तिगत रूप से छीटाकशी की जा रही है। कई राजनीतिक दल तो पारिवारिक उत्थान और उन्नयन के लिये व्यावसायिक संगठन बन चुके हैं। सामाजिक एकता की बात कौन करता है। आज देश में भारतीय कोई नहीं नजर आ रहा क्योंकि उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय, महाराष्ट्रीयन, पंजाबी, तमिल की पहचान भारतीयता पर हावी हो चुकी है। वोट बैंक की राजनीति ने सामाजिक व्यवस्था को क्षत–विक्षत करके रख दिया है। ऐसा लगता है कि सब चोर एक साथ शोर मचा रहे हैं और देश की जनता बोर हो चुकी है।

लोकतंत्र में जनता की भागीदारी केवल वोट देने तक सीमित नहीं होनी चाहिए। जनता के स्वतंत्र लिखने, बोलने और करने की स्वतंत्रता का हनन करने वाले शासकों ने इस शासन प्रणाली को ही धुंधला दिया है। शासक ही सोचेगा, शासक ही बोलेगा और शासक ही करेगा– ऐसी घोषणाओं के द्वारा शासक ने जनता को पंगु, अशक्त और निष्क्रिय बनाया है इसका खासतौर से मध्यवर्ग, कामकाजी प्रोफेशनल्स और युवा आबादी में गहरा असंतोष है। शायद यही वजह है कि आज मुश्किल से ही कोई ऐसा व्यक्ति मिलता है, जिसकी राजनीतिक प्रक्रिया का हिस्सा बनने में कोई दिलचस्पी हो। गौरतलब है कि शहरीकरण और इकनॉमिक ग्रोथ के साथ–साथ ऐसे लोगों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। एक तरह से लोकतंत्र जैसी स्वस्थ और आदर्श शासन प्रणाली भी प्रश्नों के घेरे में है। अब आवश्यकता इस बात की भी है कि देश में लोकतांत्रिक मूल्यों का विकास हो और मतदान के साथ–साथ नागरिक सजगता का भी विकास हो।

लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ बनाने, चुनाव की खामियों को दूर करने एवं नये लीडर उभारने के प्रयास करने होंगे। आम जनता की सजगता नयी बनने वाली सरकार एवं नये सांसदों की नीतियां और नियत क्या है इस पर भी केन्द्रित हो। वोट देने के बाद हमारे शासक कर क्या रहे हैं, इस पर नजर रखे बिना सजगता संभव नहीं है। सोशल मीडिया में भीड़ है, वह तख्ता पलट तो कर सकती है लेकिन उसके बाद का काम नहीं कर सकती। लिहाजा मतदान पहला कदम है अंतिम नहीं। लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिये जरूरी है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की भागीदारी से सरकार बनें और सही तरीके से चले भी। अच्छे लोग राजनीति में रूचि नहीं रखते। नागरिक सजगता की कमी इसी समझदार वर्ग में भी कम नहीं है। लोकसभा में अपराधियों की बढ़ती संख्या भी चिंता का विषय है। चुनाव आयोग पार्टियों को पंजीकृत तो कर सकता है लेकिन नियंत्रित नहीं। यह काम जागरूक नागरिक ही कर सकते हैं अतः वे उठें और अपना कर्तव्य निभाएं। निष्क्रिय राजनीतिक दलों का पंजीकरण रद्द होना चाहिए।

लोकतंत्र की यह दुर्बलता है कि सांसदों–विधायकों का चुनाव अर्हता, गुणवत्ता एवं योग्यता के आधार पर न होकर, दल या संस्था के आधार पर होता है। इससे राजनीति स्वस्थ नहीं बन सकती और न ही राजनीति में स्वस्थ, योग्य एवं प्रतिभासंपन्न उम्मीदवारों का चयन होता है। सही व्यक्ति की खोज वर्तमान राजनीति की सबसे बड़ी जरूरत है। स्वस्थ राजनीति में ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता इसलिये भी है ताकि लोकतंत्र को हांकने वाला निष्पक्ष हो, सक्षम हो, सुदृढ़ हो, स्पष्ट एवं सर्वजन हिताय का लक्ष्य लेकर चल सके। ऐसी व्यवस्था भी नियोजित की जानी चाहिए है जिसमें स्वतंत्र विचारों वाले जागरूक नागरिकों द्वारा हर सरकार के कामकाज का मूल्यांकन किया जाए। यह उन्हें अपनी चुनावी घोषणाओं या जीतने के बाद किए गए वायदों के प्रति उत्तरदायी बनाएगा। हमें ऐसे मंच तैयार करने चाहिए जो भारत के उन युवाओं, प्रफेशनल्स और ऊर्जावान नागरिकों को एक साथ लाएं और आपस में जुड़ने का अवसर दें, जो इस देश की तस्वीर बदलना तो चाहते हैं लेकिन ऐसा कर नहीं पाते क्योंकि उनके पास मंच नहीं है। भावी नेतृत्व को तैयार करने के लिए हमें उनकी ऊर्जा को सही चैनल देने की पहल करनी होगी। यही युवा, सक्रिय नागरिक और प्रफेशनल अपने पेशे, अपने तौर–तरीकों और नागरिकों मूल्यों की वजह से दूसरों के लिए रोल मॉडल की भूमिका निभायेंगे। यही लोग अगली पीढ़ी के लिए पथ–प्रदर्शक बन जायेंगे। हमें भारत के विशाल प्रांगण में हर कोने में ऐसे लोगों की तलाश करनी होगी। ऐसे लोगों की तलाश और उन्हें लोकतंत्र के प्रशिक्षण का समुचित प्रबंध होना जरूरी है।

लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिये और नये लीडर तलाशने के लिये जरूरी है कि राजनीति के प्रशिक्षण का उपक्रम विभिन्न स्तरों पर संचालित होना चाहिए। न्यूनतम योग्यता एवं न्यूनतम प्रशिक्षण तय होना चाहिए। राष्ट्रीय स्तर पर कृषि, ग्रामीण रोजगार, शिक्षा, वित्तीय अनुशासन, स्वास्थ्य और कुपोषण, जवाबदेही और पारदर्शिता, चुनाव और पुलिस सुधार, मानवाधिकारों की रक्षा और संस्थानों का बराबर इनका मिशन होना चाहिए। इसलिए परिवर्तन के लिए पहले ऐसे लीडर तैयार करने होंगे। सेमिनारों, वाद–विवादों और महत्वपूर्ण मुद्दों पर राय मांगकर उनकी पहचान की जा सकती है। लीडरों का सशक्तिकरण करें, ताकि वे बदलाव के वाहक बन सकें। ऐसे दूसरे संगठनों और दबाव समूहों की पहचान करें जो अराजनीतिक और अनौपचारिक तंत्र के हिस्से हों, जैसे एनजीओ और उन्हें नीतियों के निर्माण और उनके आकलन में सहभागी बनाएं।–(लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तम्भकार हैं)

भीषण गर्मी और बड़े वैश्विक संकट की आहट

–डॉ. शशांक द्विवेदी–

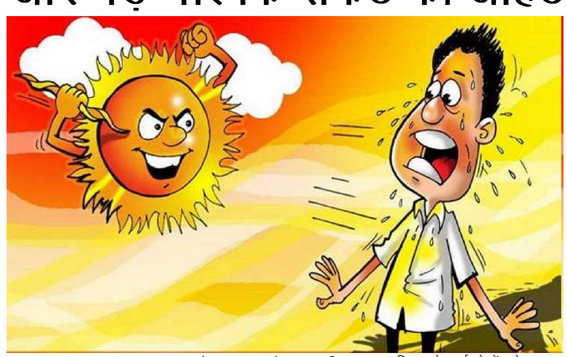

पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ता जा रहा है। दुनियाभर में भीषण गर्मी का प्रकोप जारी है। कहीं बहुत ज्यादा गर्मी के कारण जंगलों में आग लग रही है तो कहीं लोगों को पानी की कमी से जूझना पड़ रहा है। भारत के भी कई राज्यों में गर्मी और उमस से लोग बेहाल हैं। अपने ठंडे मौसम के लिए पहचाने जाने वाले यूरोप और अमेरिका भी ऐतिहासिक गर्मी का सामना कर रहे हैं। इसी बीच संयुक्त राष्ट्र ने एक डराने वाली चेतावनी जारी की है। यूएन के मुताबिक, जलवायु परिवर्तन के कारण अकेले दक्षिण एशिया में तीन–चौथाई बच्चे खतरनाक गर्मी की चपेट में हैं, जिनकी संख्या करीब 46 करोड़ है।

संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ के मुताबिक, मौजूदा समय में दुनिया में सबसे ज्यादा तापमान दक्षिण एशिया में है। जलवायु परिवर्तन के भयंकर असर के कारण इस क्षेत्र के तापमान में असामान्य रूप से बढ़ोतरी हो रही है। इस बढ़ते हुए तापमान का सबसे ज्यादा असर बच्चों पर पड़ रहा है। एक अनुमान के मुताबिक, दक्षिण एशिया में 18 साल से कम उम्र के 76 फीसदी बच्चे भीषण तापमान वाले इलाकों में रहते हैं। इनकी तादाद करीब 46 करोड़ है। यूनिसेफ के मुताबिक, अगर वैश्विक स्तर पर बात की जाए तो हर तीन में से एक बच्चा भीषण गर्मी से प्रभावित है। दरअसल, बच्चों में जलवायु परिवर्तन के साथ अपने शरीर के तापमान को ढालने की क्षमता कम होती है।

विशेषज्ञों के अनुसार जलवायु परिवर्तन इस हीटवेव की मुख्य वजह है। वहीं ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (जीएचजी), जो कोयले, गैस और तेल जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाने से होता है, वो हीट वेव को अधिक गर्म और खतरनाक बना रहा है। वैश्विक तापमान उबाल पर है। आंकड़ों से साफ है कि दक्षिण एशिया में करोड़ों बच्चों का जीवन हीट वेव और बहुत ज्यादा तापमान के कारण जोखिम में पड़ गया है। यूएन की ओर से जारी चेतावनी के मुताबिक, भारत समेत अफगानिस्तान, बांग्लादेश, मालदीव और पाकिस्तान में जलवायु परिवर्तन के असर के कारण बच्चे ही सबसे ज्यादा जोखिम में हैं। अनुमान है कि दक्षिण एशिया के इन देशों में हर साल कम से कम 83 दिन 35 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा तापमान रहता है। विशेषज्ञों के मुताबिक, बच्चे अपने शरीर को इतने ज्यादा तापमान के मुताबिक ढालने में सक्षम नहीं होते हैं।

यूएन के अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन की अप्रैल में आई रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया भर में हर साल कामकाज के दौरान करीब 19,000 लोग गर्मी के चलते मारे जा रहे हैं। आसान भाषा में समझें तो एक ऐसा बिंदु आता है जब शरीर खुद को ठंडा नहीं कर पाता है। असल में पानी की कमी से बॉडी डिहाइड्रेशन का शिकार हो जाती है। जब शरीर में पानी की कमी होती है तो पानी के साथ कई जरूरी मिनरल और विटामिन की कमी भी हो जाती है। इस वजह से बॉडी के कई ऑर्गन जैसे किडनी, लंग्स और हार्ट डैमेज हो सकते हैं और उस वजह से लोगों की मौत हो सकती है।

ग्लोबल वार्मिंग की वजह से हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघल रहे हैं। 'तीसरा ध्रुव' नाम से जाना जाने वाला हिमालय अंटार्कटिका और आर्कटिक के बाद ग्लेशियर बर्फ का तीसरा सबसे बड़ा सोर्स है। वैज्ञानिकों के अनुसार 400 से 700 साल पहले के मुकाबले पिछले कुछ दशकों में हिमालय के ग्लेशियर 10 गुना तेजी से पिघले हैं। यह गतिविधि साल 2000 के बाद ज्यादा बढ़ी है। साइंस जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित हुए एक शोध के अनुसार इससे एशिया में गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु नदी के किनारे रहने वाले करोड़ों भारतीयों पर पानी का संकट आ सकता है।

ब्रिटेन की लीड्स यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के अनुसार, आज हिमालय से बर्फ के पिघलने की गति 'लिटल आइस एज' के वक्त से औसतन 10 गुना ज्यादा है। लिटल आइस एज का काल 16वीं से 19वीं सदी के बीच का था। इस दौरान बड़े पहाड़ी ग्लेशियर का विस्तार हुआ था। वैज्ञानिकों की मानें, तो हिमालय के ग्लेशियर दूसरे ग्लेशियर के मुकाबले ज्यादा तेजी से पिघल रहे हैं।

हर साल गर्मी के रिकॉर्ड टूट रहे हैं। कथित विकास की अंधी दौड़ में शामिल दुनिया क्या खौलती गर्मियों से स्वयं को बचा पायेगी। वैज्ञानिकों के मुताबिक पिछले साल उत्तरी गोलार्ध में इतनी गर्मी पड़ी कि करीब 2,000 साल का रिकॉर्ड टूट गया। 2023 को धरती पर अब तक सबसे गर्म वर्ष कहा गया। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरेस भी इसे 'वैश्विक उबाल का दौर' कह चुके हैं। 2024 में भी भीषण गर्मी अब तक एशिया के कई देशों को झुलसा चुकी है।

भारत में भी भीषण गर्मी का कहर जारी है। देश के कई इलाके हीट वेव की चपेट में हैं। इस बीच मौसम विभाग ने देश में हीट वेव को लेकर चेतावनी जारी की है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, उत्तर–पश्चिम भारत समेत मैदानी इलाकों में भीषण लू की स्थिति जारी रहने की संभावना है। पारंपरिक जीवाश्म ईंधन के बहुत ज्यादा इस्तेमाल के कारण ग्लोबल वार्मिंग ने हीट वेव को ज्यादा गर्म और ज्यादा लंबा बना दिया है। इसके अलावा तूफान और बाढ़ जैसी दूसरी मौसम की चरम स्थितियों को भी तेज कर दिया है।

कुल मिलाकर दुनिया हानिकारक गैसों के उत्सर्जन के कारण भयंकर समस्याओं का सामना कर रही है। इस दशक में दुनिया को प्रदूषण को बेहद कम करना होगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो आने वाले समय में हालात ज्यादा खराब हो जाएंगे। भीषण गर्मी और हीट वेव, धरती के तापमान में असंतुलन और जलवायु परिवर्तन की वजह से हो रहा है, जिसका दायरा अब वैश्विक हो गया है। जमीनी सच्चाई यह है कि बड़े पैमाने पर ग्लेशियरों का पिघलना और दुनिया भर में हीट वेव बहुत बड़े वैश्विक खतरें की आहट है, जिसको अनदेखा नहीं किया जा सकता। कथित विकास की बेहोशी से दुनिया को जागना पड़ेगा।

–लेखक मेवाड़ यूनिवर्सिटी में डायरेक्टर हैं।

नशे में तबाह होती जिन्दगी

बेशक 31 मई 2022 को विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे दिवस को मनाने की उपयोगिता तभी है जब नशे की अंधी गलियों में भटक चुके युवाओं को बाहर निकालना विश्व की हर सरकार का नैतिक एवं प्राथमिक कर्तव्य हो, क्योंकि युवा पीढ़ी नशे की गुलाम हो चुकी है। विश्व की गम्भीर समस्याओं में प्रमुख है तम्बाकू और उससे जुड़े नशीले पदार्थों का उत्पादन, तस्करी और सेवन में निरन्तर वृद्धि होना। नई पीढ़ी इस जाल में बुरी तरह कैद हो चुकी है। आज हर तीसरा व्यक्ति विशेषतः महिलाएं किसी–न–किसी रूप में तम्बाकू की आदी हो चुकी है। बीड़ी–सिगरेट के अलावा तम्बाकू के छोटे–छोटे पाउचों से लेकर तेज मादक पदार्थों, औषधियों तक की सहज उपलब्धता इस आदत को बढ़ाने का प्रमुख कारण है। इस दीवानगी को ओढ़ने के लिए प्रचार माध्यमों ने भी भटकाया है।

सरकार की नीतियां भी दोगली है। लेकिन तेलंगाना सरकार ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखा व पान मसाला पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, वह सुखद है। ऐसे गुटखों या पान मसालों के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लग गया है। हालांकि, अभी यह पाबंदी एक वर्ष के लिए है, शायद आगे इसकी समीक्षा होगी और उसके बाद राज्य सरकार स्थायी प्रतिबंध का फैसला करेगी। ऐसे निर्णय केन्द्र सरकार एवं विभिन्न प्रांतों की सरकारों को भी लेने चाहिए। क्योंकि एक नशेड़ी पीढ़ी का देश कैसे आदर्श हो सकता है? कैसे स्वस्थ हो सकता है? कैसे प्रगतिशील हो सकता है? इस दुर्व्यसन के आदी लोग सुधरने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में, तेलंगाना में लगा प्रतिबंध कितना कारगर होगा, यह देखने वाली बात है। तेलंगाना अगर अपनी सीमा में प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करे, तो उसके पड़ोसी राज्यों तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को भी सहयोग के लिए खड़ा होना पड़ेगा। नशे की गंभीरता एवं विकरालता को देखते हुए साल 1987 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर 31 मई को विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस मनाने का फैसला किया गया।

आज छोटे–छोटे बच्चे एवं महिलाएं नशे के आदी हो चुकी हैं। वे ऐसे नशे करती है कि रूह कांपती है। हर साल लाखों लोग नशे के कारण अपना जीवन दांव पर लगा रहे हैं। नशा आज एक फैशन बन चुका है। पूरे विश्व के लोगों को तंबाकू मुक्त और स्वस्थ बनाने के लिये तथा सभी स्वास्थ्य खतरों से बचाने के लिये तंबाकू चबाने या धूम्रपान के द्वारा होने वाले सभी परेशानियों और स्वास्थ्य जटिलताओं से लोगों को आसानी से जागरूक बनाने के लिये इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन यह विडम्बनापूर्ण है कि सरकारों के लिये यह दिवस कोरा आयोजनात्मक है, प्रयोजनात्मक नहीं। क्योंकि सरकार विवेक से नहीं, स्वार्थ से काम ले रही है। शराबबन्दी का नारा देती है, नशे की बुराइयों से लोगों को आगाह भी करती है और शराब, तम्बाकू का उत्पादन भी बढ़ा रही है। राजस्व प्राप्ति के लिए जनता की जिन्दगी से खेलना क्या किसी लोककल्याणकारी सरकार का काम होना चाहिए?

भारत में गुटखा सहित धुआं रहित तंबाकू का उपयोग एक खतरनाक कुचलन है, जिससे गंभीर किस्म की बीमारियां होती हैं। विशेष रूप से गुटखा से कैंसर का खतरा होता है और इसी वजह से साल 2002 से ही गुटखा पर नियंत्रण के प्रयास चलते रहे हैं। साल 2012 से भारतीय राज्यों द्वारा प्रतिबंधित होने के बावजूद गुटखा व्यापक रूप से उपयोग में है। गुटखा लॉबी देश भर में बहुत मजबूत है और इसमें सरकारों व उनमें शामिल लोगों को गलत ढंग से भारी कमाई होती है। सबसे पहला राज्य मध्य प्रदेश है, जिसने गुटखा पर प्रतिबंध लगाया था, पर क्या वहां सफलता मिली? बिहार, गुजरात जैसे राज्य, जहां कहने को तो शराब प्रतिबंधित है, पर क्या वहां शराब का मिलना बंद हो गया है? ठीक इसी तरह से गुटखा के साथ हुआ है। लगातार चेतावनियों व विज्ञापनों के बावजूद गुटखा या तंबाकू का सेवन घट नहीं रहा है।

–ललित

आंधी में गिरे पेड़ व छप्पर, दबकर दो बुजुर्गों की मौत, मां-बेटा बेटी गंभीर

संवाददाता—कुशीनगर। गुरुवार की रात आयी तेज आंधी व पानी ने पडरौना व खड्डा तहसीलों में जमकर तब तबाही मचायी है। कई जगह पेड़ गिरने से रास्ते बाधित हो गए हैं। कोतवाली पडरौना क्षेत्र में दो अलग—अलग गावों पेड़ के नीचे व छप्पर में दबकर से दो बुजुर्गो की मौत हो गयी। नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में विशाल पीपल का पेड़ गिरने की पक्की मकान पर गिर गया। इसमें मौजूद महिला, उसकी बेटी व बेटा गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। तीनों को इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजा गया है।

गुरुवार को रात जब तेज आंधी में आयी तब कोतवाली पडरौना के गांव चिरईहवा निवासी छांगुर प्रसाद (50) अपनी रिहायशी झोपड़ी में सो रहा था। परिवार के अन्य सदस्य यहां से थोड़ी दूरी पर घर में सो रहे थे। अचानक छप्पर गिर गया, जिसमें दबकर छांगुर प्रसाद की मौत हो गयी। देर रात आंधी पानी थमने के बाद परिवार के लोग निकले तो छप्पर गिरा देख शोर मचाया। तब छांगुर की मौत की पता चला। परिवार के कोहराम मच गया।

इसी रात बेतिया के गांव ठोरी मोड़ टाला स्थित मठिया दुर्गा मंदिर की पुजारन साठ वर्षीय नागिया देवी पत्नी महंत मंदिर परिसर मे बने चबूतरे पर बैठी थी। तेज हवा के दबाव से परिसर में अशोक का विशाल पेड़ गिर गया जिसके नीचे दब कर नागिया देवी की मौके पर ही मौत हो गयी। गांव में उसकी बेटी व दामाद घर पर मौजूद थे। नागिया देवी मंदिर परिसर में रहती थी। शुक्रवार को सुबह महिला की मौत का पता चला। ग्रामीणों की सूचना पर शुक्रवार को सुबह पहुंची कोतवाली पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजना चाहा तो नागिया देवी के परिजनों ने पोस्टमार्टम से इनकार कर दिया। छांगुर प्रसाद का शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पीएम के लिए भेज दिया। हल्का लेखपाल दोनों जगह के नुकसान की रिपोर्ट भेज तैयार कर अधिकारियों को भेज दी है। बेतिया के ग्राम प्रधान उदय भान गोंड ने बताया कि बुजुर्ग महिला का परिजनों ने पोस्टमार्टम नहीं कराया। परिजनों व पुलिस से सहमति पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

नेबुआ नौरंगिया के रायपुर खास के टोला रंगपुर निवासी बेलास की दो कमरों वाली पक्की मकान विशाल पीपल के पेड़ के पास थी। बेलास व उसकी पत्नी वहां से थोड़ी दूरी पर झोपड़ी में सो रहे थे। आंधी के दौरान पीपल का पेड़ पक्के मकान पर गिर गया। छत टूट गयी और इसमें दबकर बेलास की बहू चाना देवी (35) पत्नी प्रकाश, उसकी बेटी सुमन (12) व बेटा करन (8) गंभीर रूप से घायल हो गए। देर रात शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे और मलबे से निकाल कर महिला व उसके दोनों बच्चों को एंबुलेंस से इलाज के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज भेजवाया। वहां तीनों की हालत गंभीर बतायी गयी है। प्रकाश रोजी रोजगार के सिलसिले में बाहर रहता है।

पुलिस भर्ती परीक्षा में सॉल्वर गैंग को ठेका देने वाला अभ्यर्थी गिरफ्तार

संवाददाता—बलरामपुर। पुलिस भर्ती परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वालों के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई जारी है। शुक्रवार को पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की। देवरिया से उस अभ्यर्थी को गिरफ्तार किया है जिसने परीक्षा पास कराने का ठेका साल्वर गैंग को दिया था। शहर की पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए एक महीने से मशक्कत कर रही थी। बृहस्पतिवार की शाम को पुलिस ने देवरिया में डेरा डाल दिया था और उसके घर के बाहर से ही गिरफ्तारी की। अपर पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार ने बताया कि पूरे मामले में दो और लोगों की तलाश हो रही है।

बीते 18 फरवरी को जिले के 14 परीक्षा केंद्रों पर करीब 15 हजार अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी थी। उसी दिन परीक्षा में साल्वर गैंग से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी हुई थी। बलुहा चौकी प्रभारी अविरल शुक्ल ने उसी दिन बिहार के मुंगेर जनपद के असरगंज थाना क्षेत्र के मनगरवा निवासी सॉल्वर नितिश कुमार को पकड़ा था। उस समय नितिश देवरिया के थाना भटनी क्षेत्र के पड़ोसी गांव निवासी उपेंद्र यादव के स्थान पर परीक्षा देते धरा गया था। पुलिस के हाथ उपेंद्र नहीं लग सका था। एएसपी के निर्देश पर बनी शहर की टीम ने उपेंद्र की छानबीन किया तो बीते माह से उपेंद्र घर पर नहीं था। उसका लोकेशन बृहस्पतिवार को पुलिस को मिला। चौकी प्रभारी अविरल अपनी टीम के साथ देवरिया रवाना हुए और घेराबंदी करके साल्वर गैंग को परीक्षा पास कराने का ठेका देने वाले उपेंद्र यादव को गिरफ्तार किया। शुक्रवार को आरोपित को न्यायालय पेश किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। वहीं, अब पुलिस दो और आरोपितों की तलाश में जुट गई है, माना जा रहा है कि पुलिस भर्ती परीक्षा में नकल कराने की पूरी योजना में उन दोनों की अहम भूमिका है।

गर्मी हुई जानलेवा, अब तक पांच की मौत

संवाददाता—श्रावस्ती। तराई में चढ़ रहे पारे के साथ ही मौत का सिलसिला भी तेजी से चल पड़ा है। गुरुवार रात से लेकर शुक्रवार सुबह तक जहां अलग—अलग कारणों से मासूम व महिला सहित पांच लोगों की मौत हो गई। वहीं एक की हालत गंभीर होने के कारण उसे बहराइच रेफर किया गया है। परिवार के लोग जहां मौत का कारण गर्मी बता रहे हैं। वहीं, चिकित्सक मौत का कारण अलग—अलग बीमारी बता रहे हैं। भिनगा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मछरीहवा निवासी कंधई लाल (79) पुत्र अवधराम की गुरुवार शाम अचानक तबीयत बिगड़ने लगी। उसे सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। परिजन उसे एंबुलेंस से संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाए। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। परिवार के लोग मौत का कारण भीषण गर्मी बता रहे थे। जबकि चिकित्सक ने मौत का कारण हार्ट अटैक बताया।

इसी तरह मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बहोरवा निवासी नूर मोहम्मद (80) पुत्र मेंहदी को अचानक तेज बुखार की शिकायत हो गई। परिजन उसे एम्बुलेंस से संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाए। जहां हालत में सुधार न होने पर चिकित्सकों ने उसे प्राथमिक उपचार के बाद मेडिकल कॉलेज बहराईच रेफर कर दिया। वहीं, सिरसिया थाना क्षेत्र के ग्राम लदोहवा निवासी रामसुमिरन (60) पुत्र द्वारका प्रसाद को अचानक सांस लेने में समस्या होने पर संयुक्त जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां इलाज से पूर्व उसकी मौत हो गई। सिरसिया के ही जोगागांव निवासी सफीकुन (18) पुत्री हारून को शुक्रवार सुबह सांस में तकलीफ के बाद संयुक्त जिला चिकित्सालय भिनगा लाया गया था। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं मल्हीपुर थाना क्षेत्र के ग्राम मल्हीपुर खुर्द निवासी गुलाम रसूल (70) पुत्र अजमत अली को सांस में तकलीफ के बाद शुक्रवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया था। जहां उसने दम तोड़ दिया। इन सभी मौत के लिए परिजन जहां गर्मी को जिम्मेदार बता रहे हैं। वहीं, चिकित्सक मौत का कारण हार्ट अटैक बता रहे हैं। गिलौला थाना क्षेत्र के लखना गांव निवासी शबाब (8 माह) पुत्र सरोज को रात में उलटी दस्त की शिकायत के बाद सीएचसी गिलौला लाया गया। जहां हालत में सुधार न होता देख चिकित्सकों ने उसे मेडिकल कालेज बहराइच रेफर किया था। जिसकी बहराइच ले जाते समय रास्ते में मौत हो गई। लगातार एक के बाद एक मौत से परिजनों में कोहराम मच गया है। एसीएमओ डॉ. दिनेश सिंह का कहना है कि इस समय गर्मी अधिक पड़ रही है जिसका असर दिल पर पड़ रहा है। बहुत जरूरी हो तभी घर से बाहर निकलें। धूप का चश्मा व सिर ढकना कदापि न भूलें। सभी अस्पताल मे पर्याप्त दवाएं मौजूद हैं इसलिए छोलाछाप के चक्कर में पड़ कर समय न बर्बाद करें। मरीज को अस्पताल ले जाएं ताकि उसे बचाया जा सके।

जीवन जीने की कला है स्काउटिंग —ज्ञानेश

संवाददाता—गोण्डा। स्काउटिंग जीवन जीने की एक कला है। इससे छात्र—छात्राओं में नेतृत्व की क्षमता पैदा होती है। यह बातें शुक्रवार को फातिमा इंटर कालेज में आयोजित दस दिवसीय शिविर के समापन समारोह में बतौर मुख्य अतिथि जिला स्काउट कमिश्नर ज्ञानेश गुप्ता ने कही। कार्यक्रम का संचालन गाइड अध्यापिका वंदना शुक्ला ने किया। विशिष्ट अतिथि व राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित कथक नृत्यांगना ज्योति किरन रतन व मीसा रत्न, अरुण डेविड को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। सबसे पहले छात्रा कृष्णा कसौधन की टीम में शामिल छात्र—छात्राओं ने प्रार्थना, सरस्वती वंदना, गुरु वंदना प्रस्तुत किया। स्कूल में आयोजित शिविर स्काउट गाइड प्रशिक्षक दिव्यांशु श्रीवास्तव के नेतृत्व बच्चों ने प्राथमिक उपचार, पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदारी समझते हुए पौधरोपण के लिए प्रेरित किया गया। कार्यशाला में पश्चिमी चंपारण से आए शिक्षक अरुण कुमार डेविड ने अंग्रेजी में भाषण देने की कला सिखाई। कक्षा आठ के छात्र हर्षित पाण्डेय, प्राची सिंह, शुभि मिश्रा ने इसमें बेहतर प्रदर्शन किया। कक्षा सात के मन्नत पाण्डेय ने फायर अलार्म, अंश गुप्ता ने फक्शन आफ हार्ट, शुभि द्विवेदी, संस्कार कसौधन, जान्हवी पाण्डेय, अनुज कुमार द्विवेदी ने प्राथमिक उपचार का मॉडल प्रस्तुत किया।

दद्दन यादव की मौत के मामले में डीएम और एसपी को जांच का आदेश

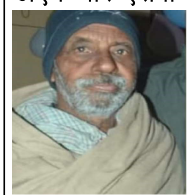

संवाददाता—देवरिया। बरहज थाना अंतर्गत सतराव चौकी के एक दारोगा ने मामूली विवाद होने पर एक दद्दन यादव की पिटाई की थी। आरोप है कि इस पिटाई से उसकी मौत हो गई। वहीं, मामले में अब मानवाधिकार आयोग ने संज्ञान लेते हुए देवरिया के डीएम और एसपी को जांच के आदेश दिए हैं। साथ ही 11 जुलाई 2024 तक जांच रिपोर्ट सौंपने को कहा है। बता दें कि पिछले दिनों बरहज थाना अंतर्गत सतराव चौकी के दरोगा वीरेंद्र कुशवाहा और अन्य पुलिसकर्मियों ने दद्दन यादव को बुरी तरह पीट दिया था, जिससे उसकी इलाज के द्वारा दौरान मौत हो गई थी। इस मामले की शिकायत इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ता डॉ. गजेंद्र सिंह यादव ने मानवाधिकार आयोग में दर्ज कराई थी, जिस पर संज्ञान लेते हुए आयोग ने जांच के आदेश दिए हैं।

अधिवक्ता का कहना है कि हमें उम्मीद है कि जांच निष्पक्ष होगी और दोषियों पर कार्यवाही होगी। जांच में प्रशासन का पूरा सहयोग किया जाएगा, लेकिन अभी तक आरोपी पुलिसकर्मियों की गिरफ्तारी न होना आश्चर्य की बात है। जांच से पहले उक्त लोगों की गिरफ्तारी होनी चाहिए, ताकि वह जांच व साक्ष्यों को प्रभावित न कर सकें। यदि समय रहते गिरफ्तारी नहीं होती है तो हम जल्द ही उच्च न्यायालय जाकर गिरफ्तारी और उचित जांच की मांग करेंगे।

अधिवक्ता ने कहा कि मृतक की तीन बेटियां हैं तथा परिवार में वह अकेला कमाने वाला था। अतः जिला प्रशासन से उम्मीद की जाती है कि पीड़ित परिवार की आर्थिक मदद भी की जाए, ताकि उसके परिवार को भरण पोषण की समस्या न हो।

चुनाव कराने गए गोंडा के होमगार्ड जवान की मिर्जापुर में मौत

संवाददाता—गोण्डा। जिले में तैनात होमगार्ड जवान लोकसभा चुनाव 2024 के अंतिम चरण में चुनाव कराने मिर्जापुर गया था। पोलिंग पार्टी रवाना होनी थी। इसी बीच अचानक उसकी तबीयत खराब हुई। तत्काल उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। घर पर सूचना पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। जिले में तैनात होमगार्ड मिर्जापुर में लोकसभा के अंतिम चरण का मतदान करने के लिए गया था। पोलिंग पार्टी रवाना होने से पहले भीषण गर्मी के कारण होमगार्ड की तबीयत बिगड़ गई। तत्काल उसे वहां पर मौजूद जवान अस्पताल ले गए। जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत्यु घोषित कर दिया। बता दें कि 1 जून को लोकसभा चुनाव के सातवें चरण का मतदान होना है। इसके लिए दूर दराज से आए हुए कर्मियों को विद्यालय में रोका गया था। जहां से उन्हें मतदान स्थल के लिए रवाना होना था। चुनावी ड्यूटी के लिए गोंडा से 644 जवान मिर्जापुर गए हुए थे। गोंडा के नगर कंपनी प्रथम के जवान अरुण कुमार श्रीवास्तव पुत्र बिजलेश्वरी प्रसाद श्रीवास्तव की भरूहना स्थित घनश्याम दास बीमानी कॉलेज मिर्जापुर में गर्मी से तबीयत खराब हो गई। मौके पर मौजूद साथियों ने जवान के तबीयत खराब होने की सूचना अधिकारियों को उपलब्ध कराई। इसके बाद होमगार्ड जवान अरुण कुमार श्रीवास्तव को मिर्जापुर के अस्पताल पहुंचाया गया।

लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। चिकित्सकों ने जवान की स्थिति का जायजा लेने के बाद हृदय गति रुकने से निधन की बात कही। जवान के निधन की सूचना मिलने पर कमांडेंट वंदन सिंह ने पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर से बात करके सहायता दिलाई। वही बताया जा रहा है कि निर्वाचन आयोग के नियमानुसार जवान को 15 लाख रुपए और मुख्यमंत्री कोष से पांच लाख रुपए सहायता दी जाएगी। 50 वर्षीय मृतक जवान गोंडा जिले के बड़गांव के रहने वाले हैं।

ट्रेनों का संचालन ठप होने से यात्री हुए हलकान, स्टेशन अधीक्षक से नोकझोंक

संवाददाता—महराजगंज। जिले में गुरुवार देर शाम आई तेज आंधी व बारिश से सिसवा—गोरखपुर मुख्य रेल मार्ग के ओएचई लाइन पर जगह—जगह पेड़ गिर जाने के बाद से ही ट्रेनों का संचालन पूरी तरह से ठप है। शुक्रवार को भोर में सिसवा स्टेशन पर पहुंची डाउन सवारी गाड़ी 05450 के यात्रियों के सब्र का बांध तब टूट गया। जब करीब साढ़े आठ बजे तक स्टेशन अधीक्षक ने संचालन बहाली की कोई सूचना प्रसारित नहीं की। गुस्साए यात्री स्टेशन अधीक्षक के कमरे पर पहुंचकर आवागमन बहाल होने की जानकारी लेने लगे। तभी उनके बीच के लिए नोकझोंक शुरू हो गई। कप्तानगंज से आए हुए आरपीएफ के जवानों ने यात्रियों को समझाबुझाकर कर शांत कराया। ट्रेनों का संचालन करीब साढ़े दस बजे शुरू हुआ। तब जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली।

गुरुवार को सिसवा स्टेशन के दक्षिणी छोर पर गेट संख्या 25 बीसी के पास गिरे पेड़ को कप्तानगंज से टावर वैगन मंगवाकर देर रात किसी तरह से हटवाया गया। इसके बाद सिसवा तक के संचालन को बहाल कराया गया। लेकिन सिसवा—गुरली रमगढ़वा हाल्ट स्टेशन के बीच में भी पेड़ गिरने से आवागमन शुक्रवार को बाधित रहा। जिससे ट्रेन में सवार यात्री उमस भरी गर्मी व भूख—प्यास से बिलबिला उठे और उनके सब्र का बांध तब टूट गया, जब सुबह साढ़े आठ बजे तक स्टेशन अधीक्षक ने ट्रेन में सवार यात्रियों को आवागमन से संबंधित कोई सूचना प्रसारित नहीं दी।इससे लोग नाराज होकर स्टेशन अधीक्षक सुनील कुमार कुशवाहा के पास पहुंचे, जहां नोकझोंक हो गई। ट्रेन में सवार यात्री नरकटियागंज निवासी मीरा कुमारी अहमदाबाद से गुरुवार की शाम गोरखपुर रेलवे स्टेशन पहुंचीं। तब तक एक्सप्रेस ट्रेन छूट गई। फिर ये लोग डाउन सवारी गाड़ी संख्या 05450 पर सवार हुए। लेकिन देर शाम आई तेज आंधी व बारिश में जगह—जगह रेलवे ट्रैक पर पेड़ गिरने से ट्रेनों का संचालन ठप हो गया। गोरखपुर से चली सवारी गाड़ी घुघली में रात नौ बजे खड़ी रही। जो सिसवा तक के मुख्य रेल मार्ग में गिरे पेड़ को हटाए जाने के बाद भोर में चार बजे चलकर सिसवा स्टेशन पर चार बजकर सत्रह मिनट पर पहुंचीं। बगहा निवासी यात्री बाल्मीकि सोनी ने बताया कि वह गुरुवार को वाराणसी से भतीजे का इलाज कराकर लौटे और घर जाने के लिए सवारी गाड़ी पर बैठे। लेकिन आवागमन ठप होने से फंस गए। नरकटियागंज निवासी राजेश्वर शाह ने बताया कि वह अपना इलाज कराने के लिए मेडिकल कॉलेज गोरखपुर आए थे। सवारी गाड़ी पर बैठे लेकिन आवागमन ठप होने के कारण सिसवा स्टेशन पर ही घंटों रुके रहे। वहीं सिसवा क्षेत्र में भट्ठे पर कार्य करने वाले मजदूर अपने परिजनों के साथ वापस बिहार राज्य के गया जाने के लिए ट्रेन से निकले। उन लोगों ने स्टेशन पर बैठकर रात गुजारा। साढ़े दस बजे राहत कार्य पूरा होने के बाद ट्रेनों का संचालन बहाल किया गया। तब जाकर यात्रियों ने राहत की सांस ली और अपने गंतव्य स्थान को निकले।

इस आवागमन के ठप होने से सिसवा में डाउन सवारी गाड़ी 05450, खड्डा में अमृत भारत एक्सप्रेस, पनियहवा में अप सवारी गाड़ी 05095, कप्तानगंज में 12558 डाउन सप्तक्रांति सुपरफास्ट एक्सप्रेस खड़ी रही।

सुनील कुमार कुशवाहा, स्टेशन अधीक्षक ने कहा कि ट्रेनों के आवागमन के लिए लगातार राहत कार्य किया गया। साढ़े दस बजे राहत कार्य पूरा हो जाने के बाद आवागमन को बहाल करा दिया गया।

शरणागत रक्षक हैं भगवान कृष्ण —श्रीधराचार्य

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। दौसा राजस्थान से पधारे हुए भक्तों द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा के षष्ठम दिवस में व्यासपीठ पर विराजमान जगतगुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्रीधराचार्य जी महाराज ने कथा का विस्तार करते हुए कहा शरणागत रक्षक हैं प्रभु इंद्र वरुण आदि ने प्रभु चरणों में शरणागति कि प्रभु शरण में आए इंद्र ब्रम्हा वरुण आदि को पुनः अपना लेते हैं इससे सिद्ध होता है प्रभु पुरुषोत्तम है ऐश्वर्य से जो परिपूर्ण है वही परब्रह्म है वही भगवान है अपने सभी इंद्रियों से जो कृष्ण रस का पान करें वही गोपी है प्रभु श्री कृष्ण ने गोपियों के साथ विहार तो किया लेकिन मन को उन्नत अवस्था में स्थिर कर दिया।

भगवान श्री कृष्ण गोपियों के मन की बात को जानकर सभी गोपियों को आनंद देने हेतु शरद ऋतु में कदंब वृक्ष के ऊपर बैठकर बंसी निनाद करते हैं जीव रूपी गोपियां प्रभु कृष्ण के आमंत्रण पर सभी कार्यों को छोड़कर प्रभु के समीप जाती हैं। बरसाने से लीला समाप्त कर भगवान कृष्ण मथुरा पहुंचे जहां कंस का वध किया और उसके उपरांत पिता वसुदेव मां देवकी को कारागृह से मुक्त कराते हैं कंस के पिता उग्रसेन को राजगद्दी पर बिठाते हैं प्रभु संदीपन ऋषि के आश्रम में विद्या अध्ययन करने जाते हैं 64 दिन में सारी विद्या का अध्ययन करके प्रभु वापस आते हैं विश्वकर्मा को आदेश देकर समुद्र के समीप दिव्य द्वारिकापुरी का निर्माण कराते हैं राजा भीष्मक की पुत्री साक्षात परम मां भगवती जगतजननी लक्ष्मी स्वरूपा रुकमणी से विवाह होता है श्री कृष्ण और रुक्मणी जी का दिव्य कल्याण उत्सव सभी भक्तों ने धूमधाम से मनाया सभी भक्तजन कथा को सुनकर हर्ष का अनुभव कर रहे कल कथा का विश्राम दिवस है।

प्रधानमंत्री के आध्यात्मिक सनातन से विपक्ष घबरा जाता है —चिराग पासवान

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। लोकसभा चुनाव का शोर जैसे ही रुका देश के नेता भगवान के चरणों में समर्पण के लिए पहुंचने लगे इसी क्रम में लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान अपने परिवार के साथ प्रभु श्री राम की जन्माष्टमी अयोध्या पहुंचे जहां उन्होंने श्री राम लला के दर्शन पूजन के पहले उनके परम भक्त हनुमान जी महाराज के दरबार में पहुंचकर माता टेका दर्शन पूजन की और आरती उतारे उसके उपरांत वह श्री राम जन्मभूमि परिसर में विराजमान रामलला के दरबार में पहुंचे जहां दर्शन पूजन करने के उपरांत निर्माणाधीन मंदिर का भी दर्शन किया और अपने पूरे परिवार के साथ फोटो भी लिए।

दर्शन पूजन के उपरांत उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम भव्य मंदिर में विराजमान हो चुके है और मैं बहुत बड़ा भाग्यशाली था जो उसे दिन अयोध्या में रहने का अवसर प्राप्त हुआ और इच्छा थी कि पूरे परिवार के साथ दर्शन करूं भगवान ने वह भी इच्छा पूरी कर दी। उन्होंने कहा कि देश में महत्वपूर्ण समय चल रहा है राजनेताओं के दिमाग में तमाम तरह की बातें हैं लेकिन देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गरीब कल्याण योजनाओं पर विश्वास रखती है पूरे देश में प्रधानमंत्री की लहर चल रही है और निश्चित ही हम लोग 400 के लक्ष्य को पार करेंगे। पासवान ने कहा विपक्ष सनातन को नहीं मानता शक्ति और विनाश की सोच रखता है। प्रधानमंत्री कन्याकुमारी ध्यान साधना पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के मौन से भी विपक्ष परेशान है प्रधानमंत्री आध्यात्मिक सनातन में विश्वास रखते है और जो लोग सनातन के विनाश के बारे में सोचते हैं उनको वह ऊर्जा प्राप्त नहीं होगी, एक बार फिर अयोध्या में खुद को बताया मोदी का हनुमान, बोले प्रधानमंत्री के प्रति हमे है अटूट विश्वास ,मेरा और प्रधानमंत्री का रिश्ता है अटूट और खूबसूरत, जिसकी मर्यादा हमेशा प्रधानमंत्री ने बना कर रखी,हमने भी इसी सोच के साथ आगे रखने का किया है।

घर की पुताई के लिए मिट्टी लेने गए किशोर व युवती की तालाब में डूब कर मौत

संवाददाता—बहराइच। जिले की तहसील मिहींपुरवा अंतर्गत ग्राम पंचायत राजपुर कला के दर्जीनपूरवा निवासी शफीक (15) पुत्र राजू एवं मुस्कान (18) पुत्री मोहर्मअली घर की पुताई के लिए सरजू नदी से मिट्टी लेने गए थे जिनकी डूब कर मौत हो गई। शुक्रवार की सुबह सफीक व मुस्कान घर की पुताई के लिए चिकनी मिट्टी सरजू नदी से लेने गए थे जहां शफीक का पैर फिसलने से वह डूबने लगा उसे बचाने के लिए मुस्कान ने नदी में छलांग लगा दी जिससे दोनों की डूब कर मौत हो गई तत्काल सूचना तहसील प्रशासन को दी गई। तहसीलदार अंबिका प्रसाद चौधरी राजस्व निरीक्षक के श्रीवास्तव व लेखपाल विजय कुमार टीम सहित तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और काफी खोजबीन व मशक्कत के बाद 11 बजे दोनों के शवों को प्राप्त कर बाहर निकलवाया तथा पंचनामा भरकर थाना मोतीपुर पुलिस के द्वारा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। शफीक के पिता ने बताया कि दोनों चिकनी मिट्टी लेने गए थे। जहां यह घटना हो गई। घर में इस घटना से दोनों परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। तहसीलदार अंबिका प्रसाद चौधरी ने बताया कि दोनों को आपदा राहत कोष से आर्थिक सहायता हेतु कार्रवाई की जाएगी।

नेपाली शराब के साथ पकड़ा गया आरोपित

संवाददाता—महराजगंज। लोकसभा चुनाव को लेकर भारत नेपाल सीमा पर सतर्कता बरती जा रही है। बॉर्डर रोड पर जांच के दौरान एसएसबी कमांडेंट सुधीर घोष व एसओ आनंद गुप्ता की संयुक्त टीम ने बोरे में सामान रखकर ले जा रहे साइकिल सवार को रोककर तलाशी ली तो 281 बोतल नेपाली शराब बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित की पहचान थानाक्षेत्र के ही खरहरवा निवासी जगमोहन के रूप में हुई। उसने पुलिस को बताया कि चुनाव की वजह से भारत में शराब की बिक्री पर रोक लग गई है।

इसका फायदा उठाकर वह नेपाल से शराब से लाकर बेचने की कोशिश में जुटा था। उसके खिलाफ आबकारी एक्ट का केस दर्ज करके पुलिस कार्रवाई में जुटी है।

पंखे से लटकर युवक ने दे दी जान

संवाददाता—देवरिया। गुरुवार की रात में तरकुलवा थाना क्षेत्र के बघड़ा महुआरी गांव में एक युवक ने पंखे से लटक कर अपनी जान दे दी। परिजनों ने पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया। तरकुलवा थाना क्षेत्र के बघड़ा महुआरी गांव के रहने वाले अरविंद शर्मा (25) पुत्र भीम शर्मा को शराब को लत थी। शराब के नशे में गुरुवार की रात को अरविंद का अपने घरवालों से विवाद हुआ। विवाद के बाद रात करीब आठ बजे वह अपने कमरे में सोने चला गया। कुछ देर बाद परिजन भोजन के लिए उसे बुलाने पहुंचे तो कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। परिजनों ने आवाज दी लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। परिजनों को कुछ शक हुआ। उन्होंने खिड़की से झांक कर देखा तो अरविंद गमछे के सहारे पंखे से लटका हुआ था। परिजनों ने शोर मचाया तो आस—पास के लोग भी मौके पर पहुंच गए। लोगों की मदद से घरवालों ने कमरे का दरवाजा तोड़ा और अंदर पहुंचे। उन्होंने अरविंद को नीचे उतारा। जांच—पड़ताल में पता चला कि उसकी मौत हो चुकी है। घटना के समय युवक की पत्नी नीलम अपने मायके थी। पति की मौत की जानकारी होते ही वह ससुराल पहुंच गई। युवक की मौत से घर में कोहराम मच गया। मां लाखी देवी व पत्नी का रो—रोकर बुरा हाल है। युवक की साल भर पहले ही शादी हुई थी। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि एक युवक का शव पंखे से लटकता हुआ मिला। पोस्टमार्टम रिर्पोट आने के बाद ही वास्तविक कारणों का पता चल पाएगा।

गोली मारकर युवक की हत्या, दोस्तों के साथ बैठकर पी रहा था शराब

संवाददाता–गोरखपुर। राजघाट थानाक्षेत्र के अमरुदमंडी में बीती देर रात युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक शशांक पांडेय नौसढ़ के पास भिलौरा गांव का रहने वाला था। गांव वालों ने बताया कि शशांक और गांव का ही एक लड़का साथ में गांव से देर शाम बाहर निकले थे। बताया जाता है की अमरुतानी में दोस्तों के साथ सब बैठकर शराब पिए। किसी बात पर विवाद में गोली चल गई और शशांक की मौके पर मौत हो गई। परिजनों ने बताया कि साथ वाले लड़के की मां ने शशांक के घर फोन कर सूचना दी कि कहीं गोली चल गई है, दिखवा लीजिए। परिजनों के साथ ही गांव वाला वो युवक और उसकी मां भी शशांक के परिजनों के साथ उसकी तलाश करने निकले।

तकरीबन रात डेढ़ बजे शव मिलने के बाद से गांव को दूसरा युवक और उसके परिजन लापता हैं। जबकि, शव मिलने पर परिजन स्कूटी से लेकर शशांक को जिला अस्पताल पहुंचे। वहां जाकर पता चला कि पहले ही मौत हो चुकी है। इसी के साथ परिजनों ने पुलिस को भी सूचना दी। सीओ कोतवाली गौरव त्रिपाठी सूचना पर सुबह चार से पांच बजे घटनास्थल पर पहुंचे। शव को पीएम के लिए भेज दिया। बताया कि युवक की गोली मारकर हत्या की गई है। परिजनों के द्वारा बताए संदिग्ध की तलाश की जा रही है। जल्दी ही घटना का खुलासा कर दिया जाएगा।

33 लाख का गबन करने के आरोपी गए जेल

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के साथ धोखाधड़ी से खाता खुलवाकर 33 लाख रुपये हड़पने की आरोपी महिला और पुरुष को पुरानी नौगढ़ चौकी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाने पर लाकर पूछताछ के बाद न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है। शहर कोतवाल गौरव कुमार सिंह के मुताबिक तीन गांव में स्वयं सहायता समूह की महिला सदस्यों को धोखाधड़ी करके एक ही महिला का कई खाता खोलवाकर रुपये हेराफेरी के हड़पने की शिकायत हुई थी। इसमें एक सीएफसी संचालक और एक महिला जो खाता खुलवाने और रुपये की हेराफेरी के मामले में धोखाधड़ी सहित अन्य धारा में केस दर्ज किया गया। इसमें एक सदस्य का पांच से छह खाता खुलवाया था। कुल 111 बैंक खाते समय में आए हैं, जिसमें 33 लाख रुपये दूसरे खाते में ट्रांसफर करने की बात सामने आई है। केस दर्ज करने के बाद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम लगी थी। पुरानी नौगढ़ चौकी प्रभारी अनूप कुमार को जानकारी मिली की आरोपी अनीता निवासी बर्डपुर नंबर 11 टोला बरगदही थाना व सोमनाथ निवासी रेहरा थाना सदर को गिरफ्तार कर लिया गया। थाने पर लाकर पूछताछ करके न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया। पकड़ने वाली टीम में पुरानी नौगढ़ चौकी प्रभारी अनूप कुमार मिश्र आदि शामिल रहे। आरोपी अनीता एवं सोमनाथ मालती ग्रामीण सेवा केंद्र संचालक की ओर से गांव की विभिन्न महिलाओं को योजनाबद्ध तरीके बहला फुसलाकर धोखे से विभिन्न समूहों के फाइनेंस बैंकों में लोन का खाता खुलवाकर लोन की धनराशि को समूहों की महिलाओं से अंगूठा लगवाकर स्वयं अपने बैंक के खाता में हस्तांतरित कर लेते थे। जिससे समूहों की वास्तविक खाता धारकों तक लोन की धनराशि न पहुंचता। उक्त खाता खुलवाने के लिए अनीता एवं सोमनाथ फर्जी आधारकार्ड एवं मतदाता पहचान पत्र तैयार कर समूहों की महिलाओं के साथ योजनाबद्ध तरीके से छल करते हुए धोखाधड़ी करते।

राम मंदिर में वीआईपी दर्शन के नाम पर नया खेल शुरू, रामजन्मभूमि थाने की पुलिस ने शुरू की जांच

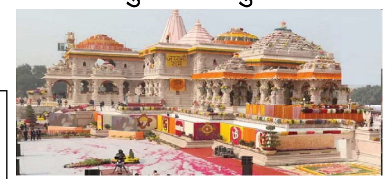

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर में वीआईपी दर्शन कराने के नाम पर एक नया खेल शुरू हो गया है। राम मंदिर में सुगम दर्शन के लिए राम मंदिर ट्रस्ट की ओर से पास बनाए जाते हैं। ट्रस्ट की ओर से सुगम व विशिष्ट दर्शन पास बनाए जा रहे हैं। इस पास से दर्शन के लिए बाकायदा पालियों का भी निर्धारण किया गया है। निर्धारित पाली में ही दर्शन मिलता है। अब पास को एडिट कर वीआईपी दर्शन कराने का खेल सामने आया है। इससे पहले भी राममंदिर में पैसे लेकर वीआईपी दर्शन कराने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं। बताया जा रहा है कि पुलिस ने इस मामले में कुछ संदिग्धों को हिरासत में भी लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। थाना रामजन्मभूमि के एसओ देवेंद्र पांडेय ने बताया कि इस तरह की कुछ सूचनाएं मिली थीं, मामले की जांच की जा रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 428/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)बस्ती महोदय जिला–बस्ती
श्रीमती शशिकला आदि
बनाम
श्रीमती प्रेमकला आदि

1. श्रीमती प्रेमकला उम्र लगभग 60 साल पत्नी मुक्तेश्वर मिश्रा 2. श्रीमती सूर्यकला उम्र लगभग 63 साल पत्नी सतीशचन्द्र पाण्डेय 3. श्रीमती जनकनन्दिनी पाण्डेय उम्र लगभग 58 साल पत्नी चन्द्राशु कुमार पाण्डेय निवासीगण हाल मुकाम ग्राम सोनपुरा तप्पा कपरी महसो परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 11–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 930/2019
अदालत–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
बाबूराम
बनाम
सुदामा प्रसाद

1. सुदामा प्रसाद पुत्र विन्ध्याचल साकिन अमोढ़ा तप्पा रामगढ़ परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

किशोरी को भगाकर लाया युवक गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद के मिश्रौलिया थानाक्षेत्र का एक युवक लगभग ढ़ाई माह पहले मुंबई से एक किशोरी को भगा लाया था। थानाक्षेत्र व मुंबई पुलिस के संयुक्त दबिश में आरोपी युवक को उसके मामा के घर से गिरफ्तार कर लिया गया है। युवक के पास से ही लड़की भी बरामद हुई है। आरोपी के विरुद्ध मुंबई के थाणे जिले के थाणे थाना में केस भी दर्ज है। पुलिस युवक को न्यायालय में पेश करने के बाद रिमांड पर लेकर मुंबई चली गई है। मुंबई के थाणे थानाक्षेत्र में जनपद के मिश्रौलिया थानाक्षेत्र गांव निवासी गणेश (22) पुत्र ओम प्रकाश मामा के घर रहता था। युवक यहां रहते हुए 17 वर्षीय एक किशोरी को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और लगभग ढ़ाई माह पहले किशोरी को लेकर फुर्र हो गया। मामले में आरोपी युवक के विरुद्ध थाणे थाना में केस दर्ज है। 28 मई को मुंबई पुलिस के सब इंस्पेक्टर नागेश्वर मुंडे व कांस्टेबल लक्ष्मण मुंडे जनपद के मिश्रौलिया थानाक्षेत्र की पुलिस से संपर्क कर प्रकरण के संदर्भ में जानकारी दी। इसके बाद स्थानीय थानाक्षेत्र की पुलिस व मुंबई पुलिस आरोपी के घर दबिश देकर पिता से युवक के संदर्भ में पूछताछ की तो वह घुमाने लगा। पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए पिता को थाने बैठा दिया। इसके बाद 30 मई की शाम आरोपी युवक को उसके मामा के घर से गिरफ्तार कर लिया गया।

हत्या के प्रयास की आरोपी महिला गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। गोल्हौरा थाना की पुलिस ने हत्या के प्रयास की आरोपी महिला को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया है। केस दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रही थी। थानाध्यक्ष अरविंद कुमार गुप्ता ने बताया कि .वंदना पत्नी योगेंद्र त्रिपाठी निवासी पिपरा थाना गोल्हौरा के खिलाफ धारा 147, 148, 149, 336, 307, 325, 504, 506 के तहत केस दर्ज था। उसकी तलाश की जा रही थी। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

दैनिक भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चर्तुभुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट
अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com

डॉक्टर पर हमला करने वालों की गिरफ्तारी न होने से आक्रोश

संवाददाता–संतकबीरनगर। सीएचसी हैंसर बाजार पर इमरजेंसी ड्यूटी कर रहे एक डॉक्टर पर शुक्रवार को कई लोगों ने मारपीट कर घायल कर दिया था। पुलिस आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर उनकी गिरफ्तारी के लिए प्रयास तो शुरू की लेकिन एक सप्ताह का समय बीतने के बाद भी उनकी गिरफ्तारी नहीं हो सकी। जिससे डॉक्टरों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। उनका कहना है कि अगर रविवार तक आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो सोमवार को वह ओपीडी बंदकर आमरण अनशन पर बैठेंगे। तहसील क्षेत्र के सीएचसी हैंसर बाजार में डॉक्टर राजेश त्रिपाठी बीते शुक्रवार को इमरजेंसी ड्यूटी पर थे। सुबह 7र30 बजे हैंसर बाजार निवासी शीत बसंत, अनूप सहित आठ लोग एक मरीज को लेकर पहुंचे और अपने मनमानी दवा करवाने के लिए दबाव बनाने लगे। जब डॉक्टर ने कहा कि उपचार हम अपने हिसाब से करेंगे। इसपर मरीज के साथ आए लोगों ने डॉक्टर के ऊपर हमला कर दिया और मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया। पुलिस ने मामले में बसंत, अनूप सहित आठ लोगों के विरुद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा तो दर्जकर लिया, लेकिन लगभग एक सप्ताह का समय बीतने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं कर सकी। इसको लेकर डॉक्टरों में आक्रोश है। अधीक्षक डॉ रमेश सोनकर का कहना है कि पुलिस एक सप्ताह का समय मांगी थी जो कल पूरा हो रहा है। हम दो दिन का और समय देते हैं रविवार तक अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो सोमवार को हम लोग मजबूर होकर आमरण अनशन पर बैठेंगे और ओपीडी को बंद कर देंगे। इस संबंध में थानाध्यक्ष अनिल कुमार ने बताया कि आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास किया जा रहा है, जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

खेत की खुदाई के दौरान मटके में मिले मुगलकालीन सिक्के

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर थानाक्षेत्र के लोहरौली मिश्र गांव में एक खेत की जेसीबी से खुदाई के दौरान सिक्के से भरा एक मटका मिला है। मटके में सिक्के मिलते ही मौके पर मौजूद कुछ ग्रामीण उसे उठा ले गए। सूचना पर पंहुचे तहसील प्रशासन ने सिक्कों की बरामदगी करवाते हुए सील करवा दिया। पुरातत्व विभाग से सिक्के की जांच करवाया जाएगा। सिक्के पर उर्दू व फारसी भाषा में लिखे मुगल बादशाहों के नाम से इसे मुगलकालीन होने का अंदेशा जताया जा रहा है। सिक्के किस धातु के बने है इसके लिए कयासों का दौर चल रहा है। मटका भरा सिक्का मिलना पूरे दिन गांव में कौतूहल का विषय बना रहा। सभी सिक्कों को लेकर अपना–अपना नजरिया रखते नजर आए। बेलहर थानाक्षेत्र के लोहरौली मिश्र गांव में बीते दिनो एक खेत की खुदाई हो रही थी। इसी दौरान जेसीबी मशीन एक मटके से जा टकराया। जेसीबी चालक ने तत्काल मशीन रोक दिया। मौके पर मौजूद लोगों ने देखा कि मटका सिक्के से भरा हुआ है। सिक्के पर उर्दू फारसी भाषा पर लिखावट के साथ ही मुगल बादशाहों के नाम लिखे थे। कुछ लोग सिक्कों को कीमती जान इसे अपने घर उठा ले गए। पूरे मामले की तहसील प्रशासन को हुई। एसडीएम के निर्देश पर तहसील प्रशासन के लोग मौके पर पहुंचे। 168 चांदी के सिक्के की बरामदगी किया। कुछ सिक्के अभी तक ग्रामीणों ने वापस नहीं किए हैं। जिसकी वापसी को लेकर तहसील प्रशासन प्रयास कर रहा है। बरामद सिक्कों को तहसील प्रशासन ने सील कर अपने कब्जे में ले लिया। इन्हें पुरातत्व विभाग को सौंपा जा रहा है। पूरे मामले की वृहद जांच पुरातत्व विभाग के द्वारा की जाएगी। अरुण कुमार, एसडीएम मेंहदावल ने कहा कि बरामद सिक्कों को सील कर ट्रेजरी में जमा कराया जा रहा है। पुरातत्व विभाग को इसकी जानकारी दी गई है। पुरातत्व विभाग के जांच के बाद ही सिक्कों के बारे में स्पष्ट सही जानकारी सामने आएगी। कुछ सिक्के अभी तक बरामद नहीं हुए हैं। अगर इन सिक्कों की वापसी नहीं होती है, तो संबंधित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया जाएगा।

आज 18 हजार पुलिस व अर्द्धसैनिक बल कराएंगे मतदान

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर और बांसगांव लोकसभा चुनाव सम्पन्न कराने को लेकर एसएसपी डॉ. गौरव ग्रोवर ने ` पुलिस लाइन में पुलिस अधिकारियों, सशस्त्र बल के राजपत्रिक अधिकारियों और जवानों की चुनावी ब्रीफिंग की। उन्होंने बताया कि चुनाव में किसी का पहचान पत्र चेक करना पुलिस का काम नहीं होगा। बूथ से 100 मीटर की परिधि में मोबाइल ले जाने पर प्रतिबंध रहेगा। जनप्रतिनिधियों के शस्त्र सुरक्षाकर्मी भी 100 मीटर की परिधि में शस्त्र लेकर नहीं जाएंगे। एसएसपी ने बताया कि गोरखपुर जिले में दो लोकसभा क्षेत्र पड़ता है। पूरे क्षेत्र को 29 जोन तथा 252 सेक्टर में विभाजित किया गया है। जिले के प्रत्येक थाना क्षेत्र को 2–2 क्यूआरटी टीम उपलब्ध कराई गई है। गोरखपुर की बाहरी सीमाओं पर 32 स्थानों पर अन्तर्जनपदीय बैरियर की व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त 50 स्थानों पर आंतरिक पिकेट (चेक पोस्ट) की व्यवस्था की गई है। सप्तम चरण में कुल 1773 मतदान केन्द्रों तथा 3271 मतदेय स्थलों पर मतदान किया जाना है। इसमें से लोकसभा क्षेत्र गोरखपुर में 140 मतदान केन्द्र व 214 बूथ क्रिटिकल है जबकि बांसगांव लोकसभा क्षेत्र में 96 मतदान केन्द्र व 186 बूथ क्रिटिकल है जिन पर विशेष निगरानी की जरूरत है। एसएसपी ने बताया कि लोकसभा क्षेत्र गोरखपुर में बल्नरेबिल मजरों की संख्या 05 है जबकि बांसगांव में बल्नरेबिल मजरों की संख्या 02 है।

हत्या के प्रयास के दो आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उस्का बाजार थाना की पुलिस ने हत्या के प्रयास के दो आरोपियों को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज होने के बाद से फरार चल रहे थे। थानाध्यक्ष रोहित उपाध्याय ने बताया कि रविशंकर उर्फ रवि पुत्र ईश्वरदीन व गौतम पुत्र कन्हैया निवासी फुलवरिया थाना उस्का बाजार के खिलाफ धारा 307, 323, 504, 506 के तहत केस दर्ज था। आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

राम मंदिर के प्रथम तल पर भी होगा अष्टकोणीय गर्भगृह का निर्माण

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर के भूतल के गर्भगृह की तरह प्रथम तल का गर्भगृह भी अष्टकोणीय ही बन रहा है। मंदिर निर्माण की एजेंसी एलएण्डटी के परियोजना निदेशक वीके मेहता के दावे के अनुसार प्रथम तल का स्ट्रक्चर लगभग पूरा हो गया है। वह कहते हैं कि फ्लोरिंग व दरवाजे का काम शेष है। बताया गया कि फ्लोरिंग का काम शुरू हो गया है और दरवाजों के निर्माण का काम रामसेवकपुरम में चल रहा है। बताया गया कि भूतल में 18 दरवाजे लगाए गये है जो कि अलग–अलग चार तरह के है। इन चारों तरह के अलग–अलग दरवाजों की डिजाइन भी अलग–अलग हैं। उसी तरह से प्रथम तल व द्वितीय तल इन दोनों में 12–12 दरवाजे लगाए जाएंगे। यह सभी दरवाजे स्वर्ण जड़ित होंगे जो कि दिल्ली स्थित ज्वेलर्स की ओर से दरवाजों पर जड़े जाएंगे। इसके पहले रामसेवकपुरम में निर्माणाधीन दरवाजों की जिम्मेदारी मेसर्स अनुराधा इंटरनेशनल टिम्बर, हैदराबाद, तेलंगाना को दी गई है। इस एजेंसी के निदेशक शरद बाबू ने बताया कि भूतल की तरह ही प्रथम व द्वितीय तल के दरवाजों में तीन अलग–अलग डिजाइन के होंगे। बताया गया कि इनका निर्माण भी कन्याकुमारी तमिलनाडु के ही कारीगरों के द्वारा किया जा रहा है।

पोलिंग पार्टियां बूथों के लिए रवाना, शहर में लग गया जाम

संवाददाता–गोरखपुर। पोलिंग पार्टियां शुक्रवार को दोपहर से विवि परिसर से मतदान केन्द्रों के लिए रवाना होने लगीं। मतदान शनिवार को सुबह सात बजे से मतदान शुरु होकर शाम छह बजे तक चलेगा। इसके बाद ईवीएम लेकर पोलिंग पार्टियां फिर गोरखपुर यूनिवर्सिटी आएंगी। जहां इन्हें स्ट्रांग रूम में रखा जाएगा। जिला निर्वाचन अधिकारी कृष्णा करुणेश ने बताया कि मतदान को लेकर सभी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। कुछ बूथों से शिकायतें आईं थी उन्हें भी दूर करा दिया गया है। सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पोलिंग पार्टियां शुक्रवार को दोपहर से ही विश्वविद्यालय परिसर से दूरी के हिसाब से रवाना होने लगीं। जो सबसे दूर सबसे दूर होगा वहां की पोलिंग पार्टी सबसे पहले रवाना हुई। जो बूथ सबसे नजदीक होगा वहां की पार्टियां देर शाम को रवाना हुईं। इस बार दोनों सीटों पर कुल 36,67,756 वोटर मतदान करेंगे। इनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 19,72,307 और महिला मतदाताओं की संख्या 16,95,198 है जबकि 251 मतदाता थर्ड जेंडर के हैं। निर्वाचन कार्यालय के डाटा के अनुसार जिले में सबसे अधिक 4.77 लाख मतदाता शहरी क्षेत्र में और सबसे कम 3.58 लाख मतदाता चौरीचौरा विधानसभा क्षेत्र में हैं। इस बार मतदान कर्मियों को ड्यूटी स्थल पर पहुंचने से पहले ही भुगतान कर दिया जाएगा। दरअसल हर बार बाद में भुगतान की प्रक्रिया में असुविधा हो जाती है। इसी से बचने के लिए नई व्यवस्था की गई है।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 454/2020
अदालत–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती महोदय जिला–बस्ती
अभिषेक कुमार आदि
बनाम
निर्मती देवी

1. निर्मती देवी उम्र लगभग 55 साल पत्नी श्रीहरि प्रसाद साकिन नक्थर तप्पा छपिया परगना रसूलपुर तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 11–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 11 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
मूलवाद सं0 540/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती
प्रदीप सिंह
बनाम
विश्वनाथ

1. विश्वनाथ पुत्र सरस्वती साकिन नेउरीगाड़ा तप्पा कुसरौत हाल मुकाम कोठवाभरतपुर पो0 गांधीनगर तप्पा परगना नगर पूरव तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–07–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 03 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 51/2022
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती
नेबूलाल
बनाम
शिव प्रसाद

1. शिव प्रसाद पुत्र मुसई साकिन करमी बुजुर्ग तप्पा कलवारी परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 08 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 33/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती
रविन्द्र कुमार
बनाम
बंश गोपाल आदि

1. बंश गोपाल 2. कृष्ण गोपाल 3. इन्द्र गोपाल पुत्रगण राम प्रसाद 4. संजय चौधरी 5. अभय चौधरी पुत्रगण कालेन्द्र प्रसाद 6. मु0 पुष्पा बेवा कालेन्द्र प्रसाद समस्त निवासीगण मौजा रघउपुर तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 04–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 04 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
वाद सं0 415/2023
अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती महोदय जिला–बस्ती
मधुकर प्रसाद
बनाम
श्रीमती संजू आदि

1. श्रीमती संजू पत्नी राजकेश उपाध्याय 2. राजकेश उपाध्याय पुत्र परमात्मा प्रसाद साकिनान मौजा हथिया तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती वर्तमान पता नगर खास तप्पा हवेली परगना नगर पूरव तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 01–08–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 01 माह 08 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबावदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्ताई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबावदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया। द0 हाकिम